आषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-365 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 जुलाई 2025 बुधवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

प्रधान ने किया निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने का ऐलान

हेमंत त्रक्तु: अब खंडेलवाल भाजपा के कप्तान, नए रंग में नजर आएगा संगठन

भोपाल दोपहर मेट्रो

भाजपा ने अपने नए प्रदेशाध्यक्ष के नाम का एलान आज कर दिया। हालांकि कल शाम को ही हेमंत खंडेलवाल के नाम पर तस्वीर साफ हो चुकी थी। लेकिन आज मुख्यमंत्री मोहन यादव,केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, निवर्तमान अध्यक्ष वीडी शर्मा आदि की मौजूदगी में खंडेलवाल का नाम औपचारिक तौर पर घोषित किया गया। कल रात तक चली नामांकन प्रक्रिया में सिर्फ खंडेलवाल का ही नामांकन आया था। यद्यपि उनके पास के कयास करीब तीन महीने से चल रहे थे और हाइकमान,संघ व सीएम की पसंद के चलते उनका नाम तय माना जा रहा था।

वे बैतूल से तीसरी बार के विधायक हैं। वे अब भाजपा के निर्विरोध नए प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्हें भाजपा मुख्यालय में आज प्रधान और मोहन यादव सहित अन्य नेताओं ने प्रमाण-पत्र देकर उनका स्वागत किया। वीडी शर्मा ने इस मौके पर संगठन के कामकाज और उपलब्धियों का ब्योरा दिया।

अब खंडेलवाल के निर्वाचन के साथ ही मप्र में करीब पांच साल बाद भाजपा के संगठन में बडा बदलाव होने के आसार हैं। अब संगठन में सीएम यादव समेत अनेक नेताओं की पसंद और प्रभाव भी नजर आएगा। प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार, सावित्री ठाकुर, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सिंह, प्रहलाद सिंह पटेल एवं कैलाश विजयवर्गीय की ओर से पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने हेमंत खंडेलवाल के नाम का प्रस्ताव रखा था। प्रदेश कार्यालय में भाजपा की वृहद कार्यसमिति की बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान खंडेलवाल पहली पंक्ति में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक और विधायक गोपाल भार्गव के बीच बैठे थे।

उल्लेखनीय है कि खंडेलवाल उत्तर प्रदेश के मथुरा में 1964 को जन्मे हैं। उनके पिता विजय कुमार खंडेलवाल राजनीति और समाजसेवा में सक्रिय थे। वे बैतूल हरदा संसदीय सीट से सांसद रह चुके हैं। पिता के निधन के बाद खाली हुई इसी सीट से उप चुनाव में हेमंत खंडेलवाल कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव पांसे को हराकर निर्वाचित हुए और राजनीतिक व सामाजिक विरासत संभाली। लोकसभा सदस्य रहने के बाद वे 2013 के विधानसभा चुनाव में जीते थे। लेकिन 2018 के विस चुनाव में वह कांग्रेस के निलय डागा से चुनाव हार गए थे। लेकिन 23 में फिर जीते। वर्ष 2014 से 2018 तक मध्य प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे।

भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान में कभी कमी नहीं रहेगी।

प्रशासनिक सर्जरी के दौर शुरू

मप्र में भरी बारिश बदलेंगे अभी कई और अफसर

भोपाल दोपहर मेट्रो

प्रदेश भाजपा के नए मुखिया का नाम साफ होते ही बीती रात मोहन यादव ने प्रशासनिक सर्जरी पर काम शुरू कर दिया है। बीती रात इसकी पहली किश्त में चार आईएएस अफसरों का तबादला किया है। लोक निर्माण का जिम्मा फिर प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह को दिया, व एसीएस नीरज मंडलोई से यह काम वापस लिया, हालांकि उर्जा विभाग उनके पास रहेगा। था। उधर निर्वाचन आयोग के नए मुखिया आईएएस संजीव कुमार झा होंगे। जबकि साप्रवि सचिव अनिल सुचारी को सागर संभाग आयुक्त बनाये गये।

सचिव रघुराज एमआर को श्रम विभाग मिला है। जानकार सूत्रों का कहना है कि अभी बड़े स्तर पर आधा दर्जन आईएएस अफसरों के तबादले होने है। इसकी कवायद लंबे समय से चल रही है। इस पर सीएम व सीएस ने कई बार मंथन कर लिया है।

रापुसे अफसरों को नया जिम्मा-सरकार ने राज्य पुलिस सेवा के 10 अफसरों को भी बदला है। ये जांच एजेंसियों में सेवाएं दे रहे थे। इनमें ग्वालियर लोकायुक्त एसपी राजेश मिश्रा को पीएचक्यू, एएसपी जबलपुर समर वर्मा को ईओडब्ल्यू उज्जैन, अनिल विश्वकर्मा को ईओडब्लयू जबलपुर, पल्लवी त्रिवेदी को पीएचक्यू, लोकायुक्त जबलपुर एसपी संजय साहू को पीएचक्यू, सुनील पाटीदार को लोकायुक्त् रीवा एसपी, अंजुलता पटले को लोकायुक्त जबलपुर एसपी, पीटीसी भौंरी से यासमीन जहरा जमाल को पीएचक्यू, एएसपी ग्वालियर निरंजन शर्मा को लोकायुक्त ग्वालियर एसपी और नगरीय पुलिस जोन इंदौर के एएसपी आनंद यादव को लोकायुक्त उज्जैन का अधीक्षक बनाया है।

घाना गए पीएम मोदी, कांग्रेस ने किया 'पुराना जिक्र'

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हुए। यह उनकी पांच देशों की यात्रा का पहला चरण है। इसका उद्देश्य भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। उधर कांग्रेस ने घाना के पूर्व राष्ट्रपति क्वामे नक्रूमा और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच बेहद मधुर संबंधों को याद किया है। महासचिव जयराम रमेश ने कहा, सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रधानमंत्री आज घाना में हैं। 60 के दशक में घाना और वास्तव में अफ्रीकी राजनीति पर क्वामे नक्रूमा का दबदबा था, जवाहरलाल नेहरू के साथ उनके बहुत मधुर संबंध थे, अकरा में एक प्रमुख सड़क का नाम नेहरू के नाम पर है, जबकि नई दिल्ली में राजनयिक एन्क्लेव में क्वामे नक्रूमा मार्ग है।

अमरनाथ यात्रा की शुरूआत पहला जत्था तड़के रवाना

जम्मू एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के लिए पहले जत्थे की रवानगी आज हो गई है। एलजी मनोज सिन्हा ने तड़के झंडी दिखाकर पहले जत्थे को रवाना किया। माहौल बम-बम भोले के जयकारों से गूंज रहा है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सिन्हा ने बालटाल और पहलगाम आधार शिविर के लिए जत्थों को रवाना किया। पहले जत्थे में 4 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के जाने की उम्मीद है। तीन जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू हो जाएगी। 38 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा नौ अगस्त को संपन्न होगी।

आईसीएमआर और एम्स की नई स्टडी

वैक्सीन हार्ट अटैक की वजह नहीं, जीवनशैली जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और एम्स की नई स्टडी से पता चला है कि कोविड-19 के बाद वयस्कों की अचानक हो रही मौतों का कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया है कि युवाओं को हार्ट अटैक और वैक्सीन के बीच लिंक नहीं है। यह स्टडी देश के 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों में मई से अगस्त 2023 के बीच की गई थी।

यह स्टडी ऐसे लोगों पर की गई, जो पूरी तरह से स्वस्थ थे लेकिन अक्टूबर 2021 से मार्च 2023 के बीच उनकी अचानक मौत हो गई। स्टडी से पता चला कि कोरोना वैक्सीन की वजह से युवाओं में हार्ट अटैक का जोखिम नहीं बढ़ा है। युवाओं की अचानक हो रही मौतों का इससे कोई कनेक्शन नहीं है।

यह स्टडी ऐसे समय में सामने आई है जब देशभर में युवाओं में हार्ट अटैक से हो रही मौतों के मामले बढ़े है. आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल अचानक हो रही इन मौतों के पीछे का कारण समझने की दिशा में काम कर रही है. इस स्टडी में जीवनशैली और पूर्व की स्थितियों को अचानक हो रही मौतों का प्रमुख कारण माना गया है.।

दोनों पायलट को ड्यूटी से हटाया : ब्लैक बॉक्स की जांच

एयर इंडिया के बोइंग ने 900 फीट गोता लगाया, मचा हड़कंप

नई दिल्ली एजेंसी।

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान क्रेश हादसे के बाद अब एक और घटना सामने आई है। दिल्ली से वियना जा रही एयर इंडिया की एक और फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई। टेकऑफ के तुरंत बाद यह विमान हवा में लगभग 900 फीट नीचे तक गोता लगा गया। हालांकि विमान सफलतापूर्वक बचा लिया गया। इस खबर के सामने आते ही हड़कंप मच गया है। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने अब कहा है कि मामले की जांच चल रही है। दोनों पायलटों को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया गया है। खबरों के मुताबिक यह घटना लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने के लगभग 38 घंटे बाद हुई।

खबर के अनुसार, इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तडके उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही बोइंग 777 विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। इससे विमान में हलचल मच गई और ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम सक्रिय हो गया। विमान में बार-बार डोंट सिंक जैसे अलर्ट बजने लगे। यह घटना दिल्ली में तेज तूफान और खराब मौसम के दौरान हुई। पायलटों ने तेज़ी से कार्रवाई करते हुए विमान को संभाला और सुरक्षित रूप से वियना में लैंड हो गई। घटना की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को दी गई। विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। फ्लाइट का डेटा डीजीसीए के साथ शेयर किया गया है। ज्ञात हो कि अहमदाबाद हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी,तभी से उडानों को लेकर बहुत सतर्कता बरती जा रही है।

मेट्रो एंकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन आएंगे भारत, रक्षा उपकरणों के प्रस्ताव भी आए

दोस्त के आने से पहले आना शुरू हो गए ऑफर !

मॉस्को एजेंसी

तीन साल से यूक्रेन से युध्द लड रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल सितंबर में दिल्ली दौरे पर आ रहे है। उनका दौरा अमेरिका समेत दुनियाभर में चल रही हलचल के बीच काफी अहम हो गया है। वे शिखर सम्मलेन में हिस्सा लेंगे। इस दौरे से पहले ही रूस ने भारत को धमाकेदार ऑफर देना शुरू कर दिया है। पुतिन के रक्षा एजेंडे में पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह की पनडुब्बियों और लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों की पेशकश शामिल है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस एक दूसरी अकुला क्लास परमाणु ऊर्जा से ऑपरेट होने वाली हमलावर पनडुब्बी, कम से कम छह रिफर्बिश्ड किलो क्लास पनडुब्बियों और 1500 किलोमीटर की क्षमता

वाली कैलिबर क्रूज मिसाइलों के लीज और ट्रांसफर की पेशकश कर रहा है।

ताजा समय में इस प्रस्ताव का समय और रणनीति दोनों ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि भारत की पारंपरिक पनडुब्बी क्षमता अब ÷ब्लॉक ऑब्सोलेसेंस÷ यानी सामूहिक अप्रचलन के कगार पर है। यानि पुराने हो रहे हैं। भारत के पास फिलहाल 17 पारंपरिक पनडुब्बिया हैं, जिनमें से दो-तिहाई 1980 के दशक में खरीदी गई थीं और अब ये पनडुब्बियां बूढ़ी हो रही हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत फिलहाल प्रोजेक्ट 751 पर काम कर रहा है, जिसके तहत नई पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना में शामिल करना है, लेकिन इस प्रोजेक्ट के तहत पहली पनडुब्बी के सर्विस में शामिल होने में अभी कम से कम 10 सालों का वक्त और लगेगा। दूसरी तरफ पाकिस्तान और चीन अपनी समुद्र के अंदर लड़ने की अपनी क्षमताओं को तेजी से बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान को इसी साल चीन में बनी युआन क्लास पनडुब्बी मिलने जा रही है। चीन शीत युद्ध के बाद की दुनिया में सबसे बड़ा सबमरीन निर्माण कार्यक्रम चला रहा है। वह नौसेना को 4 परमाणु पनडुब्बियां सौंपने की दिशा में काम कर रहा है।

भारत को फायदे

दरअसल, रूस पिछले पांच दशकों से भारत का सबसे बड़ा रक्षा उपकरण आपूर्तिकर्ता रहा है। आज भी भारत की 60 फीसद सैन्य संपत्ति रूसी मूल की है, जिनमें टैंक, किलो क्लास पनडुब्बियां, और सबसे महत्वपूर्ण फाइटर जेट भी शामिल हैं। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से भारत ने हाल ही में पाकिस्तानी एयरबेस पर हमला किया था। हालांकि पिछले कुछ सालों में भारत ने सिर्फ रूस पर अपनी निर्भरता को कम किया है और इजरायल, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों से हथियार खरीदने शुरू किए हैं, फिर भी रूस भारत का सबसे बड़ा डिफेंस पार्टनर बना हुआ है। वह भारत के रक्षा बाजार में अपनी पकड़ फिर से मजबूत करना चाहता है।

सेवासदन में डाक्टरों को हुआ सम्मान, केक काटा

गांधीनगर में सेवासदन का नया भवन अंतिम चरणों में : ज्ञानचंदानी

हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में मंगलवार को ÷डॉक्टर्स डे÷ समारोह का आयोजन किया गया। चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने इस अवसर पर सभी नेत्र रोग विशेषज्ञों, फिजीशियन्स और निश्चेतना विशेषज्ञों को बधाई दी। उन्होंने महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि अस्पताल जल्द ही एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर पर अपने नए और विस्तृत भवन में स्थानांतरित हो जाएगा, जिसका निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। इस खास मौके को सभी डॉक्टरों ने मिलकर केक काटकर मनाया।

संत सिद्ध भाऊजी ने अपने संदेश में डॉक्टरों के अतुलनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंधत्व नियंत्रण में नेत्र रोग विशेषज्ञों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी भी सदैव नेत्र रोगियों की सेवा करुणा भाव से करने की सीख देते थे। भाऊजी ने कहा कि समाज के सभी वर्ग डॉक्टरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। समारोह में डॉ. रशिम आप्टे, डॉ. सपना श्रीवास्तव, डॉ. सरिता कुमार, डॉ. रोहिणी गर्डे, डॉ. शुभा राय, डॉ. सोनल पालीवाल, डॉ. प्रीति बम्हाने, डॉ. स्वाति साहू और डॉ. हृदयमोहन शर्मा सहित अन्य डॉक्टरों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं। ट्रस्टीगण तुलसी आडवानी, सुरेश आवतरामानी, के.एल. रामनानी और संत सेवक एल.सी. जनयानी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डायरेक्टर कुशल धर्मानी ने किया।

जोरदार बरसात का असर अभी कुछ दिन और...

बारिश ने आमजीवन और मुसाफिरों की रफ्तार पर लगाए ब्रेक, ट्रेनें चल रहीं लेट, सड़क मार्ग भी अवरुद्ध

भोपाल दोपहर मेट्रो।

जोदार बारिश से शहर में आम जनजीवन अस्तव्यस्त है तो सडक व रेल यात्तायात भी प्रभावित हो रहा है। भारी बारिश और रेलवे ट्रैक के नान-इंटरलाकिंग व मेंटेनेंस कार्यों के चलते ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। इसका सीधा असर राजधानी भोपाल पहुंचने वाली ट्रेनों पर पड़ा है। विभिन्न रूटों से भोपाल आने वाली कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से पहुंचीं। पहुंच रही हैं। देरी ने यात्रियों को काफी परेशान कर रखा है। एक दिन पहले भोपाल स्टेशन पर सबसे ज्यादा देरी से पहुंचने वाली ट्रेन 01704 रीवा-चर्लापल्ली एक्सप्रेस रही, जो 14 घंटे लेट आई। वहीं ट्रेन के बी-2 कोच में पानी खत्म हो जाने के कारण यात्रियों को दोगुनी परेशानी झेलनी पड़ी। यात्रियों ने ट्रेन के स्टापेज पर रेल कर्मचारियों से शिकायत की, लेकिन समय पर समाधान नहीं मिल सका। बाद में यात्रियों ने रेलवे हेल्पलाइन और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई।

बताया जाता है कि इन दिनों विभिन्न रेल मंडलों में नान इंटरलाकिंग कार्य और बारिश के कारण ट्रैक मरम्मत चल रहा है। इसके चलते भोपाल की ओर आने वाली ट्रेनें समय पर नहीं पहुंच रही हैं, विशेष रूप से पंजाब, दिल्ली और मुंबई रूट से आने वाली ट्रेनें सबसे अधिक प्रभावित रहीं।

नए नियम से नो-रूम की स्थिति

इस बीच सामने आया है कि कि रेल यात्रियों के लिए वेटिंग टिकट की नई व्यवस्था लागू होने से कई स्टेशनों से गुजरने वाली अधिकतर ट्रेनों में नो-रूम की स्थिति बन गई है। रेलवे के नए नियम के अनुसार अब ट्रेनों में सिर्फ 100 सीटों के बदले 25 वेटिंग टिकट जारी किए जाएंगे। ऐसे में अब 25 फीसद के ऊपर नो-रूम यानी वेटिंग टिकट भी लोगों को नहीं मिल रहे हैं। इसके चलते मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, जम्मू जैसे दूरदराज के शहरों को जाने वाली ट्रेनों में सफर करने के प्रयास करने वाले यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वे वेटिंग के टिकट ही नहीं ले पा रहे हैं।

साप्ताहिक ट्रेन की सेवा में विस्तार

इधर रेल्वे ने यात्री सुविधा के लिए अब अहम निर्णय लिया गया है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए ट्रेन 01922-01921 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सेवाओं का विस्तार कर दिया गया है। इस निर्णय से पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत आने वाले बीना, विदिशा, रानी कमलापति, नर्मदापुरम और इटारसी जैसे प्रमुख स्टेशनों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों से पुणे और झांसी की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन अब पहले से अधिक समय तक उपलब्ध रहेगी। ट्रेन 01922 (वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अब हर बुधवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से दो जुलाई से 31 दिसंबर तक 27 फेरों के लिए चलाई जाएगी। इसी तरह ट्रेन 01921 (पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन हर गुरुवार को पुणे स्टेशन से 3 जुलाई से एक जनवरी 2026 तक 27 फेरों के लिए संचालित होगी।

शहर में आधी रात के बाद हुई तेज बारिश ने सड़को को लबालब कर दिया है। कई निचली बस्तियों में पानी भी भर गया है।

स्वामी टेऊंराम जी महाराज का 139वां अवतरण दिवस मना

टेऊंरामजी का जीवन आध्यत्मिक मार्ग पर चलने के लिए करता है प्रेरित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

बेहटा गांव स्थित सतगुरु स्वामी टेऊराम आश्रम में मंगलवार को स्वामी टेऊराम जी महाराज का 139वां अवतरण दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विशेष रूप से प्रवचन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। आश्रम संचालिका दादी विद्या देवी ने स्वामी टेऊराम जी के प्रेरणादायक जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वामीजी का जन्म 6 जुलाई 1887 को सिंध प्रांत के खांडू गांव में, पवित्र सिंधु नदी के तट पर हुआ था। उनके माता-पिता, श्री चेलाराम जी और माता कृष्णा देवी, परम भक्त थे और उनका घर हमेशा संतों व महात्माओं की सेवा के लिए खुला रहता था।

कार्यक्रम में आश्रम की सेवाधारी वर्षा खुशलानी और द्रोपदी सदारंगानी ने संतों के जीवन पर आधारित मनमोहक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें स्वामी टेऊराम जी महाराज, संत कंवरराम साहिब और स्वामी शांतिप्रकाश महाराज को दर्शाया गया।

उपस्थित धर्मप्रेमी बंधुओं ने इन प्रस्तुतियों की खूब सराहना की। समारोह का शुभारंभ देवी-देवताओं और संतों-महात्माओं की मूर्तियों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान आश्रम के अध्यक्ष नारायणदास साधवानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, कांग्रेस उप-ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, और मदन साधवानी उपस्थित थे। चंद्र नागदेव और दयाल तोलानी के भजनों ने भक्तिमय माहौल बना दिया, जिस पर साईं जी के भक्त झूम उठे। इस अवसर पर गोपाल लखानी, प्रकाश थद्धानी, मुरली वासवानी, लक्ष्मण मूलानी, नरेंद्र दामवानी, सोनी सतानी, कन्हैया नागदेव सहित सैकड़ों धर्मप्रेमी बंधु मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन विशाल आम भंडारे के साथ हुआ।

करंट से जान गंवाने वाली बालिका के परिवार को 4 लाख देगी बिजली कंपनी

भोपाल दोपहर मेट्रो

दो दिन पहले करंट की चपेट में आकर जान गंवा बैठी बच्ची के मामले में अब मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कैफियत दे रही है। पुराने शहर में छह वर्षीय आयशा बिजली के खंबे के करंट का शिकार हुई थी। अब कंपनी ने दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के लिए मृतक बच्ची के परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

इसके साथ ही बिजली कंपनी द्वारा शोकाकुल परिवार को 4 लाख रूपये की सहायता स्वीकृत करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने विद्युत दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आमजन और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे विद्युत दुर्घटनाओं के प्रति सतर्क और सजग रहें साथ ही मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बारिश के दौरान विद्युत सुरक्षा और सावधानियों हेतु जन जागरूकता के लिए सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से संदेश प्रसारित करते रहें।

बिजली कंपनी ने अफसरों को निर्देशित किया है कि भोपाल शहर वृत्त अंतर्गत उत्तर शहर संभाग सहित सभी अन्य संभागों में वितरण ट्रांसफार्मरों, बिजली लाइनों, खम्भों एवं अन्य उपकरणों के रखरखाव के दौरान इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए कि लाइनों में कट न हो और करंट लीकेज की संभावना न रहे।

गौरतलब है कि 30 जून की दोपहर एलटी पोल में करंट फैलने से आयशा नामक बच्ची की जान चली गई। अफसरों ने विद्युत दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। जांच में पाया कि पोल पर करंट आ गया था। जांच में पाया गया कि पोल बॉक्स में एक पीली कलर की सर्विस लाईन के फेस वाली लाल रंग की तार अवैध रूप से काट कर बिजली चोरी करने के लिये डग्गे (अवैध तार) डालने के लिये जगह बनायी गयी थी, जोकि क्लेम्प से टच हो रही थी, जिससे पोल में करंट आ गया था।

मैट्रो एंकर उद्योग की बदलती मांगों के अनुरूप बनाना होगा

लीडरशिप स्किल्स पर एचआर विशेषज्ञ राव का सत्र

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्राओं के लिए एक विशेष इंडस्ट्री एक्सपर्ट सेशन का आयोजन किया गया। इस सत्र में वन-पॉइंट-वन सॉल्यूशंस, मुंबई के चीफ एच. आर. ऑफिसर अश्विनी कुमार राव ने शिरकत की।

मल्टी-जेनरेशनल वर्कफोर्स के लिए लीडरशिप स्टाइल विषय पर बोलते हुए राव ने कहा कि सभी प्रोफेशनल्स को अपने अंदर नेतृत्व शैली को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने टीम बिल्डिंग के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि वर्तमान समय में कम्युनिकेशन स्किल्स का सबसे अधिक महत्व है।

राव ने उद्योग की बदलती मांगों पर भी बात की और कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान (थ्योरी) के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान (प्रैक्टिकल नॉलेज) पर भी गहरी समझ होना आवश्यक है। सत्र के अंत में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ ने संतोषजनक उत्तर दिया। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंध निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर और सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

दो जुलाई को भोपाल में सभी संयुक्त संचालकों की होगी बैठक

पदोन्नति को लेकर कल करेगा विभाग बैठक, 8 साल की सीआर भी बुलाई

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पदोन्नति के नए नियम जारी होने के बाद विभागों ने अब पदोन्नत होने वाले अफसरों की सीनियरिटी और पात्रता के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग इसी तारतम्य में दो जुलाई को पदोन्नति की प्रक्रिया को लेकर डायरेक्ट्रेट में बैठक करने वाला है। इसके लिए सभी जिम्मेदार अफसरों को बैठक में संभाग और जिला स्तर के प्राचार्यों, व्याख्याताओं और शिक्षकों की सीआर के साथ बुलाया गया है।

बैठक में संयुक्त संचालों से तलब की गई यह रिपोर्ट

सभी जिलों से एक अप्रेल 2025 की स्थिति में सीनियरिटी लिस्ट बुलाई गई है जिस पर पदोन्नति के लिए जुलाई माह में फैसला किया जाएगा। मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के अधीन पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर बुलाई गई बैठक में संयुक्त संचालकों से जो जानकारी तलब की गई है उसमें वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक की गोपनीय चरित्रावली की जानकारी शामिल है। इसमें हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल के प्राचार्य,

व्याख्याता, उच्च माध्यमिक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक की वरिष्ठता की जानकारी संचालनालय ने मांगी है। इसमें यह भी बताना होगा कि जिन प्राचार्यों, व्याख्याताओं, शिक्षकों की वरिष्ठता सूची दी जा रही है उनके विरुद्ध कोई जांच या प्रकरण तो विचाराधीन नहीं है। इसके अलावा इनके विरुद्ध कोर्ट में चल रहे प्रकरणों की स्थिति से भी अवगत कराने को कहा गया है। जिस साल की सीआर उपलब्ध नहीं होगी, इसके बारे में भी संचालनालय ने जानकारी देने को कहा है।

संभाग और जिले के पदोन्नति के लिए इन पदों की जानकारी मांगी

संभाग और जिला स्तर पर होने वाली पदोन्नति को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, खेल शिक्षक और संगीत शिक्षक की आठ साल की वरिष्ठता और गोपनीय चरित्रावली की रिपोर्ट देने के लिए भि निर्देशित किया है। यह काम संभागीय स्तर पर बनी कमेटी के जरिये किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिवासियों के साथ सीएम के सामने दर्ज कराई थी आपत्तियां

डीएफओ को हटाने के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल अभयारण्य का काम होल्ड

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सीहोर डीएफओ मगन सिंह डाबर को हटाए जाने के बाद अब सरकार ने प्रस्तावित सरदार वल्लभ भाई पटेल वन्यजीव अभयारण्य का काम रोक दिया है। वन विभाग की वन्यप्राणी शाखा ने ये निर्देश सोमवार शाम को जारी किए। यह अभयारण्य सीहोर व देवास के हिस्सो को मिलाकर बनाया जा रहा था, जिसको लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व आदिवासियों के दलों ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की थी और अपना पक्ष रखा था। उधर मैदानी स्तर पर अभयारण्य को लेकर इस बात का भ्रम फैल गया था कि इसके बनाए जाने से कई गांव प्रभावित होंगे, उन्हें हटाया जाएगा।

अभयारण्य इसलिए जरुरी–

यह अभयारण्य सीहोर और देवास वन मंडल की सीमा में बनाया जा रहा है, जो देवास के खिवनी वन्यजीव अभयारण्य से डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व (पुराना नाम रातापानी टाइगर रिजर्व) को जोड़ेगा। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह कवायद बाघों की बढ़ती आबादी और वर्षों पुराने भोपाल-देवास प्राकृतिक बाघ कॉरिडोर को जिंदा करने के लिए जरुरी है।

तीन मजरे–टोले प्रभावित हो रहे थे, 33 गांव वालों से विरोध कराया

अभयारण्य के बनने से सीहोर व देवास के तीन मजरे–टोले प्रभावित हो रहे थे लेकिन मैदानी स्तर पर कुछ राजनीतिक दलों के लोगों ने भ्रम फैला दिया कि यह बना तो 33 गांव के लोगों को खदेड़ा जाएगा। देर–सबेर यह कार्रवाई की जाएगी। इससे लोग आक्रोशित थे। इस बीच वन विभाग सीहोर के इच्छावर, खातेगांव और देवास के खिवनी में अतिक्रमणकारियों को हटाए जाने की कार्रवाई की जा रही थी, इस बात से भी लोग नाराज थे।

दोनों ही प्रकरणों में नाराजगी को कुछ राजनीतिक दलों ने क्षेत्रों में जमकर भुनाया और अंतत- हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर आ गए। सूत्रों के मुताबिक इसी बीच स्थानीय स्तर पर कुछ दलों के लोगों ने पूरे मामले को हवा दी और राजनीतिक षड़यंत्रों के तहत स्थानीय लोगों में भ्रम फैलाया कि नया अभयारण्य बना तो अधिकार छीन जाएंगे। इसी बीच मामला केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तक पहुंचा तो उन्होंने भी आपत्ति दर्ज कराई।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आदिवासियों के प्रतिनिधि मंडल के साथ रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनके निवास पर मिले थे। जिसके चंद समय बाद सीहोर डीएफओ मगन सिंह डाबर को हटाया था, सोमवार को चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन शुभरंजन सेन ने प्रस्तावित सरदार वल्लभ भाई पटेल वन्यजीव अभयारण्य के गठन की प्रक्रिया स्थगित करने संबंधी निर्देश जारी किए है।

खिवनी नहीं जाएंगे आयोग के अध्यक्ष

देवास के खिवनी से अतिक्रमण हटाने के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने सोमवार रात सीएम डॉ. मोहन यादव से उनके निवास पर मुलाकात की। दोनों के बीच वन विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई पर चर्चा हुई। बैठक् में शामिल अधिकारियों ने मौजूदा स्थिति को सामने रखा, बताया कि जिन लोगों को हटाया गया था, उन्हें उसी स्थान पर रहने के लिए अनुमति दे दी है। शासन के स्तर पर टीनशेड व अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक के बाद सीएम ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा, जिन अफसरों ने नियमों के विपरित जाकर कार्रवाई की, उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य का कहना था कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के खिलाफ बारिश के दौरान इस तरह कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। आयोग के अध्यक्ष ने खिवनी जाने की इच्छा जताई, जिस पर सीएम ने बताया कि सरकार की ओर से मंत्री विजय शाह व अफसरों को मौके पर भेजकर रिपोर्ट मंगवाई है, सबकुछ पहले जैसा सामान्य है। इसके बाद आयोग के अध्यक्ष का खिवनी जाने का कार्यक्रम निरस्त हो गया।

आउटसोर्स बिजली कर्मियों के नियम विरुद्ध तबादले का मामला गरमाया

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल। मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी के एमडी क्षितिज सिंघल के सामने बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने नियम विरुद्ध किए ट्रांसफर का मामला उठाया। एमडी ने कर्मचारियों से जुड़े मामलों को सुनने के लिए बैठक बुलाई थी, जिसमें अफसर के साथ—साथ विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महासचिव राहुल मालवीय, कर्मचारी नेता रामकुमार पटेल, नरेन्द्र भदौरिया, सतीश साहू एवं राजकुमार मस्की आदि ने एमडी को बताया कि मामूली मानदेय पाने वाले आउटसोर्स बिजली कर्मियों का 50 से 100 किलोमीटर दूर भेज दिया, लेकिन कई अफसर 10-15 साल से एक ही कार्यालय में बैठे हैं। एमडी ऑफिस में ही 50 फीसद अफसर ऐसे हैं, जिनकी सेवा का आधे से अधिक समय एक ही स्थान पर गुजर चुका है। कहा गया है कि कर्मचारियों के खिलाफ जारी मनमानी की जानकारी उर्जा विभाग के एसीएस नीरज मंडलोई समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को है लेकिन कोई हस्तक्षेप नहीं कर रहा। उधर तबादले करने वाले एमडी आश्वासन दे रहे हैं कि अब वे हल निकालेंगे।

आउटसोर्स कर्मियों की समस्याएं :–

- एमडी को भार्गव ने बताया कि वल्लभ भवन, मंत्रालय एवं विभिन्न विभागों के संचालनालयों एवं श्रमायुक्त कार्यालयों में की-पंच ऑपरेटर व सब-स्टेशन ऑपरेटरों को उच्च कुशल श्रेणी का न्यूनतम मानदेय मिल रहा पर उच्च गुणवत्ता का काम करने के बावजूद मध्य क्षेत्र बिजली कम्पनी में कुशल श्रेणी का न्यूनतम मानदेय दिया जा रहा।
- लाइनों का काम करने के बावजूद भी सब-स्टेशन ऑपरेटरों को जोखिम भत्ता नहीं मिल रहा, रात्रिकालीन ड्यूटी वाले तकनीकी आउटसोर्स कर्मियों को नाइट एलाउंस नहीं देते।
- कई 33/11 केवी सब-स्टेशनों में जल भराव की समस्या है, शौचालय, बाथरूम एवं स्वच्छ पेयजल की सुविधा नही है। सुरक्षा गार्ड एवं चपरासी तक नहीं हैं।
- सब-स्टेशनों में रिलीवर ऑपरेटर की व्यवस्था नहीं है और यदि रिलीवर ऑपरेटर हैं तो उनसे रिलीवर ऑपरेटर का काम नहीं लेकर हैल्पर व अन्य कार्यालयीन काम करवाया जा रहा है। पद खाली है, कम कर्मियों से अधिक काम कराया जा रहा है। कई आउटसोर्स कंपनियां एरियर की राशि समेत पूरा लाभ नहीं दे रही। कुछ ठेका अवधि खत्म होने के बाद भी काम कर रही। एमडी ने सभी विषयों पर ठोस कार्रवाई का भरोसा दिया।

निजी स्कूलों की कमीशनखोरी

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने नारायणा स्कूल सहित कई बड़े निजी स्कूलों के खिलाफ कमीशनखोरी के प्रमाणों के साथ जनसुनवाई में की शिकायत। त्रिपाठी ने जांच कर जबलपुर की तरह भोपाल में भी शिक्षा माफिया और स्कूल संचालको पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। एडीएम निधी चौकसे ने मामले को लिया गंभीरता में जांच के निर्देश दिए।

एमपीयूडीसी की 'लोगो' तैयार करने के लिये पुरस्कार योजना

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी ने क्रिएटिव इनिशिएटिव का शुभारंभ करते हुए एक शानदार 'लोगो' डिज़ाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया है। यह पहल स्वतश्1 पोर्टल के माध्यम से जन-भागीदारी को प्रेरित करने और कंपनी की शहरी सुधार योजनाओं, शहरों में सीवरेज, जलापूर्ति और अन्य अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के प्रति जागरूकता व पहचान को बढ़ावा देने के लिये की गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आम नागरिकों को पोर्टल पर अपना मौलिक डिज़ाइन JPG/PNG फॉर्मेट में अपलोड करना होगा। एमपीयूडीसी द्वारा चयनित विजेताओं के लिये प्रतिष्ठित पुरस्कारों का प्रावधान किया गया है, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपये, द्वितीय 5 हजार और तृतीय स्थान के लिए 2 हजार 500 रुपये की नगद राशि शामिल है।

मेट्रो एंकर — नये निवेश के दावे और पुराने उद्योग बंद

इवेंटबाजी से नहीं आएगा वास्तविक निवेश-कांग्रेस

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार रोज नए-नए इन्वेस्टमेंट के एमओयू की घोषणा कर रही है लगभग सवा साल में मोहन सरकार लगभग 3 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा कर चुकी है जबकि धरातल पर प्रगति गायब है।यह आरोप कांग्रेस के विचार विभाग अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता लगाया व सरकार से जानना चाहा है कि अगर मध्य प्रदेश में निवेश की परिस्थितियों इतनी अनुकूल है तो फिर मध्य प्रदेश में 29 बड़े उद्योग बंद क्यों हो गए? गुप्ता ने कहा सरकार बताये कि मंडीदीप की हेवी फैब्रिकेशन यूनिट,गोविंदपुरा की मैसर्स जीईई पावर लिमिटेड चावल बनाने वाली मेसर्स एसएसए इंटरनेशनल भिंड की ग्लास

पार्ट कैथोड रे ट्यूब, गैस बेस थर्मल पावर प्लांट, लिमि हॉटलाइन ग्ला, कलर्ड पिक्चर ट्यूब बनाने वाली हॉटलाइन सीपीटी लिमिटेड धार की इंडोरामा टेक्सटाइल लि., लक्ष्मी पाइप एंड फिटिंग, मित्तल कॉरपोरेशन लिमिटेड, मेटलमेन पाइप मैन्युफैक्चरिंग, परसरामपुरिया इंटरनेशनल, भानु आयरन एंड स्टील, सोनी इस्पात लिमिटेड, वेरटैक्स टेक्नो सॉफ्ट ,वरुण सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड, पाली लॉजिक इंडिया लिमिटेड, गिल्ट पैक यूनिट , पैरेंटल ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड, सिद्धार्थ ट्यूब्स लिमि.,गिरनार फाईवर लिमि.,नियो कार इंटरनेशनल लि.,सकोज इंडिगो,,एडवांस सर्फेक्टेंट इंडिया,निभि इंडस्ट्रीज जैसे बड़े उद्योग बंद क्यों हो गये?

गुप्ता ने जानना चाहा है कि इन उद्योगों के बंद होने से कितने लोग बेरोजगार हो गये? क्या सरकार ने उद्योगों की तकलीफों का अध्ययन किया और समाधान निकाला? अगर नहीं तो विकास के नित नये जुमले इवेंट से अधिक कुछ नहीं दे पायेंगे। गुप्ता ने कहा कि नया निवेश हमेशा स्वागत योग्य है किंतु पुराने निवेश की रक्षा करना भी सरकार का दायित्व है और यही सस्टेनेबल विकास की गारंटी है।

संपादकीय

मानसून पर निर्भर बाकी महीने

इन दिनों देश पर मानसून का जर्बदस्त असर है। चारों तरफ बारिश की खबरें हैं। तमाम घटनाक्रमों के बीच भी बारिश अक्सर बडी घटना बनती है,क्योंकि इससे आम आदमी से लेकर खास लोगों तक का सीधा वास्ता होता है। यह आर्थिक व सामाजिक असर रखने वाला मौसम चक्र होता है। जिस पर आने वाले पूरे साल का गणित काफी हद तक निर्भर रहता है। इसीलिये कहा जा सकता है कि यूं तो मौसम की अपनी गति होती है। बरसात के साथ गर्मी या ठंड के अनुमानित समय में थोड़ा आगे-पीछे होना एक प्राकृतिक चक्र रहा है। इस वर्ष मानसून के बारे में अनुमान लगाया जा रहा था कि इसका आगमन समय से थोड़ा पहले हो सकता है। अब भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी है कि इस वर्ष मानसून पूरे देश में अनुमान के मुकाबले नौ दिन पहले आ गया है। सन 2020 के बाद यह पहला मौका है, जब मानसून पूरे देश में इतनी जल्दी आ गया। इससे पहले इस बार भारत के दक्षिणी छोर पर केरल तक मानसून दस दिन पहले ही पहुंच गया था। हालांकि कुछ दिनों पहले से दिल्ली और देश के कुछ अन्य हिस्सों में घने बादल छा रहे थे, लेकिन बारिश न होने की वजह से मौसम में नमी और गरमी ने लोगों को थोड़ा परेशान कर दिया था। अब दो दिन देरी से सही, दिल्ली के कई इलाकों में खासी बारिश होने के बाद आइएमडी ने रविवार को वहां भी मानसून के आगमन की घोषणा की। इसके साथ ही तेज गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो इस वर्ष बारिश सामान्य से अधिक होगी। अपनी जरूरतों के लिए मानसून पर निर्भर देश के ज्यादातर इलाकों में बरसात पूर्वानुमानों के मुताबिक ही हो सकती है। जाहिर है, देश के जिन राज्यों में कृषि आमतौर पर बारिश के मौसम पर निर्भर है, उन इलाकों में भरपूर बारिश होने की संभावना है। गौरतलब है कि भारत में साठ फीसद से ज्यादा खेती मानसून पर निर्भर है। धान, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर जैसी खरीफ की फसलें दक्षिण-पश्चिम मानसून पर ही निर्भर रहती हैं। अब मानसून के जल्दी आने से फसलों की बुआई भी थोड़ा पहले होने की उम्मीद की जा सकती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि खरीफ की फसलें देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन के पचपन फीसद के बराबर हैं। इसके अलावा, लौटता मानसून भी गेहूं, चना, मटर, जौ वगैरह रबी फसलों के लिए काफी अहम होता है। यानी देश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से मानसून और इस वर्ष इसके नौ दिन पहले आने की अहमियत को समझा सकता है। इसीलिये मानसून यदि मेहरबान है तो इसके उपयोग की बहुत समग्र नीति भी हर सरकार के पास होना चाहिये, साथ ही इसकी हर बूंद को सहेजने और भूजल स्तर रिचार्ज करने जैसी कवायदें पूरे मन से की और कराई जानी चाहिये। इसके अलावा खास बात यह है कि जिन राज्यों में मानसून से हर बार बाढ और अन्य किस्म की दुर्घटना होती हैं वहां भी सरकारों को दूरगामी नजरिया अपनाकर यह कोशिश करना चाहिये कि नुकसान न्यूनतम हो। खासकर पहाडी राज्यों में लेंडस्लाइड से लेकर मकानों से लेकर पुलों आदि के ढहने,लोगों के बाढ में बहने जैसी कई खबरे सुर्खियों में है,यह सही बात है कि प्रकृति को वश में नहीं किया जा सकता , लेंकिन इसके पूर्वानुमान लगाकर बचाव के पुख्ता प्रबंध तो किये ही जा सकते हैं।

आज का इतिहास

- 1306: अलाउद्दीन खिलजी ने सिवाणा पर आक्रमण किया।
- 1757: प्लासी की लड़ाई में हार के बाद बंगाल के अंतिम नवाब सिराजुद्दौला की हत्या।
- 1777: वरमोंट दास प्रथा समाप्त करने वाला पहला अमेरिकी क्षेत्र बना।
- 1897: इतालवी वैज्ञानिक गुगलेल्मो मारकोनी को लंदन में रेडियो का पेटेंट मिला।
- 1937: एविएशन के अग्रणी एमेलिया इयरहार्ट और नाविक फ्रेड नोनान्डिसिस ने एसाइक्यूमिनेविजनल फ्लाइट बनाने के प्रयास के दौरान प्रशांत महासागर के ऊपर से उड़ान भरी।
- 1940: ब्रिटिश सरकार ने सुभाषचन्द्र बोस को विद्रोह भड़काने के आरोप में कोलकाता में गिरफ्तार कर लिया।
- 1940: हिटलर ने ब्रिटेन पर हमले का आदेश देते हुए ऑपरेशन सी लायन की शुरुआत की।
- 1941: नाजी नरसंहार: लेम्बर्ग में करीब 7000 लोग मारे गए।
- 1949: वियतनाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली।
- 1962 : सैम वाल्टन ने अरकंसास के रोजर्स में अपना पहला वॉलमार्ट स्टोर खोला।
- 1972: तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तानी समकक्ष जुल्फिकार अली भुट्टो ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद शिमला संधि पर हस्ताक्षर किया।
- 1979: सुसान बी एंथनी डॉलर जारी किया गया, एक महिला का सम्मान करने के लिए पहला अमेरिकी सिक्का।
- 1983: स्वदेश निर्मित परमाणु बिजली केंद्र की पहली इकाई ने मद्रास के निकट कलपक्कम में काम करना शुरू किया।
- 1985: आंद्रेई ग्रोमिको सोवियत संघ के राष्ट्रपति निर्वाचित।
- 1990: सऊदी अरब में मक्का-मीना में भगदड़ से 1,426 हज यात्रियों की मौत हो गई।
- 1996 : महाराष्ट्र की मुंबई के रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखा गया।
- 2002: हेपेटाइटिस सी की जांच को पूरे भारत में अनिवार्य किया गया।
- 2004: छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन को यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।
- 1893: आंध्र प्रदेश के प्रथम राज्यपाल चन्दूलाल माधवलाल त्रिवेदी का जन्म हुआ।
- 1901: प्रसिद्ध उड़िया साहित्यकार कालिंदी चरण पाणिग्रही का जन्म हुआ।
- 1948: प्रसिद्ध जनकवि आलोक धन्वा का जन्म।
- 1954: प्रसिद्ध पार्श्वगायक मोहम्मद अजीज का जन्म ।
- 1934: महान क्रांतिकारी असित भट्टाचार्य का देहावसान हुआ।
- 1950: समाज सुधारक यूसुफ मेहरअली अल्लाह को प्यारे हो गए।
- 1961: अमेरिकी उपन्यासकार और पत्रकार अर्नेस्ट हेमिंग्वे का निधन हुआ।

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

■ प्रमोद भार्गव

दरअसल, सरकार और स्थानीय प्रशासन को श्रद्धालुओं की भीड़ का आकलन करके आयोजन की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही वैकल्पिक मार्गों और राहत-बचाव को लेकर व्यापक प्लान बनाना चाहिए।

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं। रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए।

दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्रायः विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते। दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता कथित वीआईपी लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है। नतीजतन भीड़ अनियंत्रित स्थिति में आ जाती है और दुर्घटना घट जाती है।

दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है कि तीर्थस्थलों में लोग कैसे अनुशासित व्यवहार करें। सामान्य जीवन व्यवहार और तीर्थस्थलों की सीमित जगह में बड़ी भीड़ के बीच मानवीय व्यवहार का फर्क तय किया जाना चाहिए। इस चेतना के अभाव में ही पिछले दो दशकों में हजारों लोग कुंभ, मेलों और मंदिर हादसों में मारे जा चुके हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन को श्रद्धालुओं की भीड़ का आकलन करके आयोजन की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही वैकल्पिक मार्गों और राहत बचाव को लेकर व्यापक प्लान बनाना चाहिए। निश्चित रूप से अब समय आ गया है कि इस दिशा में वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

मूल संविधान की प्रस्तावना, सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द, आखिर क्यों हो रही है बहस?

■ विनोद पाठक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना (प्रिएंबल) को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि प्रिएंबल में सोशलिस्ट (समाजवादी) और सेक्युलर (धर्मनिरपेक्ष) शब्दों को लेकर देश में खुली बहस होनी चाहिए, क्योंकि यह दोनों शब्द मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे। आपातकाल के दौरान संसद में चर्चा या सहमति के बगैर इन्हें जोड़ दिया गया था।दत्तात्रेय होसबाले के वक्तव्य को लेकर कांग्रेस पार्टी भी मैदान में उतर आई है। वो संघ और भाजपा पर संविधान बदलने को लेकर हमलावर है, लेकिन दत्तात्रेय होसबाले जो मुद्दा उठा रहे हैं, उसे लेकर कांग्रेस की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है।

दरअसल, भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में संशोधन को लेकर अपना दृष्टिकोण रखा था। उन्होंने न तो संविधान को पत्थर की लकीर माना था और न ही से बार-बार बदलने योग्य एक अस्थिर दस्तावेज। डॉ. अंबेडकर का स्पष्ट मत था कि हमने एक ऐसा संविधान बनाया है, जो न तो पूरी तरह कठोर है और न ही पूरी तरह लचीला, बल्कि दोनों के बीच संतुलन रखता है, यानी सविधान में जरूरत पड़ने पर बदलाव हो सके, लेकिन यह इतना आसान भी न हो कि कोई सरकार अपने फायदे के लिए लगातार उसे बदल दे। हालांकि, डॉ. अंबेडकर के जीवित रहते ही संविधान लागू होने के मात्र डेढ़ साल यानी 18 जून 1951 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहला संशोधन संविधान में कर दिया था। उस समय अदालतों ने कुछ कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के कारण निरस्त कर दिया था। विशेषकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संपत्ति का अधिकार और समता का अधिकार को लेकर चुनौतियां सामने आई थीं। तब अनुच्छेद 19(2) में संशोधन कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर न्यायोचित प्रतिबंधों की अनुमति दी गई, जैसे सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता, राष्ट्र की सुरक्षा आदि। पहले संशोधन में अनुच्छेद 31बी और नौवीं अनुसूची जोड़ी गई थी। जिन कानूनों को अदालतें रद्द कर रही थीं (विशेषकर भूमि सुधार कानून), उन्हें संविधान से संरक्षण देने के लिए नौवीं अनुसूची बनाई गई। इसमें डाले गए कानूनों को न्यायिक समीक्षा से छूट मिली। सामाजिक और आर्थिक न्याय को प्राथमिकता दी गई और सरकार को गरीबों के हित में भूमि सुधार जैसे कार्यों के लिए शक्ति दी, भले वे संपत्ति के अधिकार को प्रभावित करें। स्पष्ट था, संविधान में संशोधन तो संविधान बनने के साथ ही शुरू हो गए थे। लेकिन, संविधान में सबसे बड़ा संशोधन आपातकाल के दौरान तब किया गया, जब पूरा विपक्ष जेलों में बंद था। संसद में बगैर चर्चा के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने 42वें संशोधन, जिसे लघु संविधान भी कहा जाता है, से संविधान के मूल स्वरूप को काफी हद तक बदल दिया। 42वें संशोधन में मौलिक अधिकारों में कटौती की गई थी। प्रिएंबल में सोशलिस्ट, सेक्युलर तथा यूनिटी एवं इंटीग्रिटी शब्द को जोड़ा गया।

इस संशोधन में न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर कई प्रतिबंध लगाए गए। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की न्यायिक समीक्षा शक्तियां सीमित कर दी गईं। मूल अधिकारों की रक्षा को कमजोर किया गया था। लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच साल से बढ़कर छह साल कर दिया गया। जब वर्ष 1977 में जनता पार्टी की सरकार आई तो उसने वर्ष 1978 में संविधान में 44वां संशोधन कर 42वें संशोधन को काफी हद तक पलट दिया। मौलिक अधिकारों की सुरक्षा को फिर मजबूत किया गया। लोकसभा का कार्यकाल पांच साल किया गया। सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक समीक्षा शक्ति बहाल की गई, यानी कांग्रेस ने बिना चर्चा के संविधान में जो संशोधन किया था, उसमें संसद के माध्यम से सुधार किया गया। आपातकाल की घोषणा पर नियम बनाए गए, जिनमें कहा गया कि राष्ट्रपति तभी राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर सकता है, जब कैबिनेट की लिखित सलाह हो। संसद को आपातकाल की समीक्षा करने और उसे छह महीने के भीतर दोबारा मंजूरी देने की शक्ति दी गई। पर, आश्चर्यजनक यह है कि प्रिएंबल में जोड़े नए शब्दों को ज्यो की त्यो छोड़ दिया गया। आज तक तिथि तक संविधान में 106 बार संशोधन हो चुका है, जिसमें कांग्रेस नीत सरकारों ने 55 साल में 77 संशोधन और भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकारों ने 16 साल में 22 संशोधन किए हैं। वैसे, आपातकाल लागू करने और उस दौरान किए बदलावों पर कांग्रेस सदैव खुली चर्चा से बचती रही है, लेकिन इनदिनों उसने नया राग अलापा है, आपातकाल बनाम अघोषित आपातकाल का, ताकि मूल चर्चा से बचा जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों से स्पष्ट हो रहा है कि वो 50 वर्ष पुराने आपातकाल की चर्चा को अप्रासंगिक मान रहे हैं। वो चर्चा को वर्तमान सरकार के इर्द-गिर्द रखना चाहते हैं। इसी लाइन पर इंडी गठबंधन के अन्य सहयोगी भी चल रहे हैं, जबकि उनमें कई ऐसे हैं, जो आपातकाल के दौरान जेल गए थे।

हालांकि, प्रिएंबल में जोड़े सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द का मुद्दा पहले भी उठ चुका है और यह बहस चलती आ रही है कि मूल संविधान में जो प्रिएंबल है, उसे ही स्वीकार किया जाए। यह समय का आवश्यकता है कि संसद में एक बार पुनः इस विषय पर चर्चा हो। अगले महीने जुलाई में संसद का मानसून सत्र प्रस्तावित है। बेहतर तो यही हो कि पक्ष-विपक्ष मिलकर इस संदर्भ में संसद में स्वस्थ चर्चा करे। जनता से भी सुझाव मांगे जा सकते हैं। संविधान निर्माताओं ने जिस मूल संविधान की प्रस्तावना को स्वीकार किया था, उसे आखिर संविधान बनने का बाद बदलना क्यों पड़ा? इस सवाल का जवाब तो ढूंढा ही जाना चाहिए।

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

गव्य को गाड़ी नहीं चाहिये ।

-रूसी कहावत

निशाना

शीत युद्ध जारी !

बऊराए अब ट्रंप ।
मस्क को ललकारा ।।
जाओ अपने गांव ।
क्या अब यहां तुम्हारा ?
खुल गई है नींद ।
आ गया अब होश ।।
शीत युद्ध जारी ।
पनपा फिर आक्रोश ।।
करके धंधा बंद ।
अफ्रीका फिर जाओ ।।
ले लो त्वरित फैसला ।
ना अब तुम शरमाओ ।।
शुरु जुबानी जंग ।
मामला गरमाया ।।
देखते हैं किसका कितना ?
है होता सफाया ।।

- कृष्णेन्द्र राय

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने जनपद पंचायत केसला का किया निरीक्षण

हितग्राही मूलक योजनाओं के लंबित आवेदनों पर जताई नाराजगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने गत दिवस जनपद पंचायत केसला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनपद पंचायत की विभिन्न शाखाओं के अभिलेखों का परीक्षण किया और उसमें आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने जनपद पंचायत केसला में सभी शासकीय कार्य, पत्राचार, ई फाइल ऑफिस सिस्टम प्रणाली से ही करने के निर्देश दिए और उन्होंने ई ऑफिस प्रणाली की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जनपद पंचायत केसला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि वह ई ऑफिस प्रणाली के तहत ही सभी कार्य करना सुनिश्चित करें। सभी फाइलें ई ऑफिस के माध्यम से ही लें। ऑफलाइन फाइल ना लें। कमिश्नर ने ई ऑफिस प्रणाली में सभी कर्मचारियों की मैपिंग करने के भी निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय परिवार सहायता एवं अनुग्रह सहायता राशि के प्राप्त आवेदनों का जायजा लिया। उन्होंने बहुत अधिक संख्या में लंबित आवेदनों पर सख्त

नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए की हितग्राहियों के आवेदनों का परीक्षण कर गंभीरता पूर्वक सभी आवेदन का निराकरण कर हितग्राहियों को लाभ वितरण करना सुनिश्चित करें। अनावश्यक रूप से अनुग्रह सहायता राशि एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि के आवेदन लंबित न रखे जाएं। तत संबंध में उन्होंने सहायक श्रम आयुक्त को भी निर्देश दिए कि वह इतनी अधिक संख्या में लंबित आवेदनों पर तत्काल निराकरण की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें और हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण करना भी सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने स्थापना शाखा के लिपिक को निर्देश दिए की सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं में समय-समय पर आवश्यक प्रविष्टियां कर सेवा पुस्तिका अपडेट रखी जाए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि वह अपने कर्मचारियों की सीआर अनिवार्य रूप से समय सीमा में लिखना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनपद कार्यालय में अव्यवस्थित रिकॉर्ड पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए की सभी रिकॉर्ड अपडेट रखे जाएं एवं मांगने पर तत्काल मिल जाए। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन अथवा सार्थक ऐप से ही लगाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी कर्मचारी अपने निर्धारित समय से 5 मिनट पहले जनपद कार्यालय आए। कमिश्नर ने लेट आने वाले कर्मचारी एवं लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने जनपद पंचायत केसला में मनरेगा के अंतर्गत चल रहे कार्यों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि मनरेगा में मजदूरी करने वाले श्रमिकों का भुगतान समय सीमा में कर दिया जाए। उन्होंने मनरेगा के तहत किए जाने वाले कार्यों में क्वालिटी मेंटेन करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने संबल योजना अंतर्गत पेंशन एवं प्रधानमंत्री आवास, आदि के कार्यों की फाइलों का अवलोकन किया। उन्होंने लेखा शाखा के सभी रिकॉर्ड का परीक्षण किया और लेखा शाखा के रिकॉर्ड में पाए जाने वाली कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की लेखा संबंधी सभी रिकॉर्ड अपडेट रखे जाएं।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुमन खातरकर सहित जनपद पंचायत के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

वार्ड की समस्याओं को लेकर समाज कल्याण प्रकोष्ठ ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। समाज कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा नगर पालिका परिषद को एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन वार्ड क्रमांक 8 अयोध्या बस्ती एवं न्यू बस स्टैंड क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर सौंपा गया। जिसमें त्वरित कार्यवाही की माँग की गई। अमित मेहता ने बताया कि वर्षा ऋतु में उक्त क्षेत्र में अत्यधिक जलभराव हो जाता है जिससे सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं। इस कारण आमजन विशेष रूप से बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चे, अत्यधिक परेशानी का सामना करते हैं। अधूरी पुलिया और रैंप का अभाव दुर्घटनाओं को न्योता देता है, जो जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। बालाजी पेट्रोल पंप से लेकर महाराणा प्रताप चौक तक बने नाले की नियमित सफाई नहीं होती, जिसके कारण वर्षा के समय नालियों का गंदा पानी बस्तियों में भर जाता है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र वर्ष 2019 में तत्कालीन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा ग्रीन वेल्ट घोषित किया गया था। इसकी देखभाल नगर प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। नगर पालिका में सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने आश्वासन दिया कि इनमें से कुछ कार्य इसी माह से प्रारंभ किए जाएंगे तथा शेष कार्य वर्षा ऋतु उपरांत शीघ्र पूर्ण किए जाएंगे। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बीडी शर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ने किया डाक्टरों का सम्मान

गंजबासौदा। मील रोड स्थित राजीव मेमोरियल में लायंस क्लब द्वारा डॉक्टर डे मनाया गया। जिसमें नगर के शासकीय चिकित्सालय के प्रभारी डॉ प्रमेंद्र तिवारी ,डॉ शशांक भार्गव, डॉ आरती खत्री, डॉ मनीष राय, डॉ सृष्टि भार्गव व डॉ एके रोहिले, डॉ एके जैन व शहर के प्रतिष्ठित सीए अंकुर पिंगले और अर्पित शर्मा का शाल श्रीफल से स्वागत किया गया। इस अवसर पर नवीन चयनित लायंस अध्यक्ष लायन विजय अरोड़ा ने स्वागत उदबोधन दिया। क्लब उपाध्यक्ष नीलम रघुवंशी, कोषाध्यक्ष लायन आशा अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित नगर के समाजसेवी ऋतुज एलिया का सम्मान किया गया। इस मौके पर चंद्रकांता नामदेव, दिलीप देसाई मौजूद रहे। संचालन लायन विनीता गोयल द्वारा किया गया।

डापका में साढ़े 18 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

क्षेत्र के विकास में नहीं रखेंगे कोई कोर कसर : सांसद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पिपरिया के ग्राम डापका में सोमवार को विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं विधायक ठाकुरदास नागवंशी के द्वारा किया गया। लोक निर्माण विभाग द्वारा डापका से अनहोनी तक सड़क निर्माण कार्य दूरी - 03.30 कि.मी. लागत 423.70 लाख रुपये का एवं तरौन कलाँ से खैरी कलाँ सोनपुर, कुर्सीखापा, मोहारी तक सड़क निर्माण कार्य दूरी - 10.50 कि.मी. लागत रुपये 1425.46 लाख दोनों कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि शासन विकास के लिए हमेशा तत्पर रहता है। शासन का उद्देश्य सिर्फ विकास है। सरकार संकल्प से सिद्धि तक के लक्ष्य पर काम कर रही है। हमारा और विधायक का हमेशा प्रयास रहा है कि क्षेत्र के विकास में कोई कमी न रहे। भाजपा की सोच है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गाँव से शहर तक सुगम यात्रा के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत पिपरिया अध्यक्ष संध्या सिंगारे, राजेन्द्र हरदेनिया नवनीत नागपाल, नीतिराज सिंह, कुसुम लता पटेल, माधव दास अग्रवाल, परषोत्तम रघुवंशी जिला पंचायत सदस्व बृजकिशोर पठारिया, प्रशांत रघुवंशी, राजा पटेल, सरपंच विनीता उइके सहित क्षेत्रीय लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

प्रधानाध्यापक सतीश शर्मा सेवानिवृत्त भव्य विदाई समारोह हुआ आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गंजबासौदा। शासकीय माध्यमिक विद्यालय कन्या गाँधी चौक के प्रधानाध्यापक सतीश शर्मा का सेवानिवृत्त पर समारोह आयोजित किया गया। शिक्षण निरक्षरता को दूर करने घर घर शिक्षा की अलख जगाने वाले

चालीस वर्ष तक शिक्षण कार्य करते हुए शर्मा आज शासकीय माध्यमिक विद्यालय कन्या गाँधी चौक से सेवानिवृत्त हुए।इस अवसर पर संकुल प्राचार्य लक्ष्मी देवी प्रजापति, जनशिक्षक वीरेंद्र दिवाकर, अमित श्रीवास्तव ने उनको एक कर्मठ अनुशासन प्रिय शिक्षक बताया जो शासकीय आदेश को अपना कर्म मानकर सबसे पहले करता है। रिटायर्ड प्रधानाध्यापक तुलसा दिवाकर ने उनको शिक्षक छात्र हितेषी व्यक्तित्व बताया । वरिष्ठ

शिक्षक गोविंद सिंह राजपूत,

प्रधानाध्यापक चौरावर संजीव कुमार रघुवंशी ने शर्मा को प्रेरणादायक व्यक्तव बताते हुऐ उनसे सीखने की बात कही। शिक्षक नेता संजय नामदेव मास्टर ट्रेनर अजय शर्मा ने एक आदर्श शिक्षक सच्चा साथी हमदर्द बताते हुए उनके कार्यकाल की प्रशंसा की। इस अवसर पर सभी ने उनको शाल श्रीफल उपहार देकर सम्मानित किया वही छोटे छोटे बच्चे अपने हाथ से बने उपहार लाऐ थे। सम्मान पत्र अभिनंदन पत्र भेट किए गये। कार्यक्रम का संचालन योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने जबकि आभार समाजसेवी अनिल दुबे ने किया ।

तीर्थ यात्रियों का दल गिरनार यात्रा पर हुआ रवाना

गंजबासौदा। जैन धर्म में 22 वे तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ की निर्वाण स्थली गिरनार पर्वत पर निर्वाण लाडू चढ़ाने शहर से अभय सेना के 80 सदस्यों का दल सोमनाथ एक्सप्रेस से गिरनार यात्रा पर रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों का सकल जैन समाज के प्रतिनिधियों ने तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर अभिवादन किया। ब्रह्मचारी मयूर भैय्या के सान्निध्य में अभय सेना के 80 सदस्य जूनागढ़ ,गुजरात स्थित गिरनार पर्वत पर भगवान नेमीनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाएंगे । ज्ञात हो कि विश्व जैन संगठन के आह्वान पर नेमीनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर पूरे देश से लगभग 5 लाख श्रद्धालु गिरनार पर्वत की पांचवीं टोंक पर पहुंचकर निर्वाण महोत्सव मनाएंगे। श्रद्धालुओं की विदाई करने हेतु परिजनों के अलावा बड़ी संख्या में जैन धार्मिक एवं सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि पहुंचे और यात्रा की शुभकामनाएं दी।

सेवानिवृत होने पर एसडीओ जीएस तोमर को दी भावभीनी विदाई

नर्मदापुरम. बारना परियोजना बाड़ी के अनुविभागीय अधिकारी जीएस तोमर गत दिवस सेवानिवृत हुए. मिलनसार हँसमुख कर्तव्य निष्ठ एवं विभागीय कार्य में दक्ष श्री तोमर के विदाई समारोह में मुख्य अभियंता जल संसाधन नर्मदापुरम आर एल मीना, बारना परियोजना के कार्यपालन यंत्री शिरीष मिहानी, बारना परियोजना के डी एम योगेश शर्मा, सेवानिवृत मुख्य अभियंता जी पी सिलावट सेवानिवृत अधीक्षण यंत्री एच डी कुम्हार तथा सेवानिवृत अधीक्षण यंत्री सी के दीवान सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी विशेष रूप से सेवानिवृत समारोह में उपस्थित रहे. उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सेवा निवृत एस डी ओ श्री तोमर की कार्य शैली की सराहना करते हुए कहा कि श्री तोमर अपने कर्तव्य के प्रति सदैव निष्ठावान रहे. उनका व्यवहार अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति सदैव प्रशंसनीय रहा है. विभाग उनकी कार्य शैली को सदैव स्मरण करता रहेगा.

सेवानिवृत्ति पर कृषि विभाग कर्मचारी पंकज तिवारी को भावभीनी विदाई

नर्मदापुरम। कृषि विभाग के मिलनसार हंसमुख एवं कर्तव्य निष्ठ कर्मचारी पंकज तिवारी की सेवानिवृत्ति पर कृषि विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी. इस अवसर पर विभाग द्वारा शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर पंकज तिवारी का सम्मान किया. पंकज तिवारी की सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में उप संचालक कृषि जे आर हेडाऊ सहित कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं पंकज तिवारी के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे.

मेट्रो एंकर पीपरपानी में हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान' का समापनः जल योद्धाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

जन भागीदारी ने इस अभियान को दिया जन-आंदोलन का रूप : सांसद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बनखेड़ी तहसील के ग्राम पीपरपानी में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी सम्मिलित हुए। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि मां नर्मदा की गोद में पैदा हुए लेकिन आज भूमिगत जल का स्तर धीरे-धीरे नीचे गिरता जा रहा है। जिन गांवों में पहले 20 फीट की गहराई पर जल हुआ करता था। आज 300 फीट नीचे ट्यूबवेल भी फेल हो रहे हैं। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि पंचतत्वों में से एक जल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लिये जल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च से

किया गया था जो 3 महीने बाद आज 30 जून को इसका समापन किया जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण अभियान की प्रेरणा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जल शक्ति के प्रति दूरदर्शी सोच से मिली, जो हमें जल है तो कल है के मंत्र की ओर निरंतर प्रेरित करती है। इस पुनीत कार्य का कुशल नेतृत्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा किया गया, जिनकी प्रतिबद्धता एवं सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया। इस अवसर पर सांसद श्री सिंह ने जल संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, जो समाज को सकारात्मक दिशा में ले जाने वाले सच्चे जल योद्धा हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी पिपरिया अनीषा श्रीवास्तव भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सदस्य नीतिराज सिंह पटेल मुकेश सराठे बृजेश कौरव सहित ग्राम सरपंच जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

बारिश के पहले पुल कंप्लीट न होने से 18 गांव के रहवासी परेशान कीचड़ में फिसलकर गिर रहे लोग, व्यवस्था बनाने की उठी मांग

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर मुख्यालय से दो किमी दूर जामुनखेड़ा मार्ग पर स्थित पठाघाट पुल पर शासन द्वारा नए पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो धीमी गति से से चलने के कारण यहां से निकलने वाली लोग काफी हैरान परेशान है हालत यह है कि मंगलवार को बाजार के चलते काफी लोगों को कीचड़ दलदल मैं फिसलकर नगर में साप्ताहिक बाजार में आना पड़ा जिसके कारण ग्रामीणों ने अपना आक्रोश शासन प्रशासन निकाला है लोगों का कहना है कि पुल की चल कछुआ गति की रही है स्थानीय लोगों ने बताया कि पुराने रपटा को तोड़कर नया पुल बनाया जा रहा है। जिसका निर्माण जून 2025 तक पूरा कर लिया जाना था, लेकिन लोगों का कहना है काम की रफ्तार देखकर अंदाजा लगाया

निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार के चलते बनी परेशानी

जा रहा था कि पुल बरसात तक नहीं बन पाएंगा। उक्त पुल लाखों की लागत से बनाया जा रहा है पांच माह में अभी पठाघाट पुल का 70 प्रतिशत ही काम हुआ इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों ने बताया कि पुल निर्माण की रफ्तार धीमी गति से होने के कारण बारिश में दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। इस पुल से 18 गांव का होता है आना जाना स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यदि बारिश तक पुल निर्माण पूर्ण नहीं हुआ तो बड़ी दिक्कत होगी क्योंकि इस मार्ग से एक दर्जन से ज्यादा ग्राम जुड़े हुए हैं। जहां के रहवासी प्रतिदिन मार्ग से होकर मुख्यालय एवं अन्य जिले के लिए आते जाते हैं जिसमें खामखेड़ा निबोरा अजीतपुर दलपतखेड़ा कछ्याई खमरियाकला नन्ही देवरी निजाम देवरी बुढेला पटी बैलवाड़ा मानपुरा टगरा जवाहर नगर जामुन खेड़ा गोहुची खगोरिया बितली गांव आदि शामिल हैं इन गांवों में रहने वाले लोगों की आबादी करीब 30 हजार से अधिक है पुल बनकर तैयार नहीं हुआ लोगों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इस पुल से बारिश के दिनों में निकलने के लिए दूसरा कोई ओर रास्ता नहीं है या फिर घूमकर 10 से 15 किलोमीटर का सफर तय कर नगर ओर गांव आना पड़ रहा है लगभग 30 साल पहले निर्मित हुए जामुनखेड़ा मार्ग पर स्थित पठाघाट पुल की ऊंचाई कम होने से जरा सी बारिश में डूब जाता है, इससे आवागमन अवरूद्ध हो जाता है। कच्चे रास्ते पर गिट्टी डालकर व्यवस्था बनाने की जा रही मांग ग्रामीण अंचलों से आने जाने वाले लोग पल के नीचे बने कच्चे रास्ते में फिसल कर गिर रहे हैं लोगों का कहना है कि पत्थर की गिट्टी डालकर व्यवस्था बनाई जाए उक्त कार्य ठेकेदार द्वारा किया जाना चाहिए इस बार की बारिश वैसे भी अच्छी नहीं हो रही है रिमझिम बारिश के कारण पल के नीचे बने रास्ते पर मिट्टी में फिसलन बनी हुई है ग्रामीण जनों का कहना है जिसके कारण हम लोग स्पेशल कर गिर रहे हैं कीचड़ में कपड़े खराब हो रहे हैं आखिर इन सब के लिए जिम्मेदार कौन है हम चाहते हैं कि संबंधित ठेकेदार को व्यवस्थित व्यवस्था बनाने के लिए कुछ ना कुछ करना चाहिए

कलेक्टर ने भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया

हीरा वेयरहाउस में अनाधिकृत भंडारित स्टाक को राजसात करने के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने मंगलवार को कुरवाई में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के उपरांत कुरवाई शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर क्रियान्वित योजनाओं तथा विभिन्न संचालित गतिविधियों का जायजा लिया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कुरवाई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी स्कूल, लोक सेवा केन्द्र, डबल लॉक, आईटीआई और उचित मूल्य दुकान के अलावा गौशाला, वेयर हाउस तथा ग्राम पंचायत के माध्यम से संपादित कार्यो का भ्रमण कर जायजा लिया है वहीं भ्रमण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों से मुखातिब होकर उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण हेतु निर्देश दिए गए हैं।

राजसात के निर्देश

कलेक्टर श्री गुप्ता ने भ्रमण के दौरान भौरासा में स्थित हीरा वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां उचित मूल्य दुकानो को प्रदाय करने हेतु भण्डारित खाद्य सामग्री के अलावा निजी स्वामित्व की भंडारित सोयाबीन चना मसूर के स्टॉक को राजसात करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने यहां शासकीय उचित मूल्य दुकानों को प्रदाय किए जाने वाले खाद्यान्न स्टाक पंजीयों का जायजा दिया वहीं भंडारित गेहूं, शक्कर, नमक के बोरो का वजन भी कराया और निर्धारित मात्रा क्या होती है कि जानकारी प्राप्त की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कुरवाई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया यहां उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर मरीजों को मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारियां प्राप्त की हैं भ्रमण निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर को स्वच्छ रखने और वार्डों में साफ सफाई बनाए रखने के प्रबंध सुनिश्चित करने हेतु क्रियान्वित व्यवस्था की पूछताछ उनके द्वारा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अस्पताल में होने वाली डिलीवरी तथा संवेदनशील और एनीमिया से ग्रस्त मरीजों को विदिशा रेफर करने के लिए किए गए प्रबंधन के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने ब्लड बैंक संचालन की प्रक्रिया सुनिश्चित कराने को क्रियान्वित कराने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मौके पर दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने पैथोलॉजी केंद्र का भी निरीक्षण किया यहां साफ सफाई व्यवस्थाएं निर्धारित मापदंडो के अनुरूप नहीं पाए जाने पर पैथोलॉजी संचालक को दो हजार का जुर्माना लगाते हुए समय पर साफ सफाई व्यवस्था क्रियान्वित कराने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने ओपीडी के अलावा अन्य वार्डो में मरीजों को प्रदाय की जाने वाली सुविधाएं

का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है खासकर एनआरसी और गर्भवती महिलाओं के लिए मुहैया कराई जानी वाली शासकीय सुविधाओं पर बल दिया है।

स्टोर रूम

कलेक्टर गुप्ता ने अस्पताल के निरीक्षण दौरान दवाइयां के स्टोर रूम का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि एक ही व्यक्ति के पास कई वर्षों से स्टोर कीपर का चार्ज होने पर निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं को रेखांकित करते हुए हर वर्ष अलग-अलग व्यक्ति को स्टोर कीपर का चार्ज देने हेतु निर्देशित किया है।

आंगनबाड़ी

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कुरवाई में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदाय सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की है। इस दौरान उन्होंने कुरवाई शहर की आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक दस में पहुंचकर प्रदाय सुविधाओं की क्रॉस मॉनिटर की है। उन्होंने अस्पताल में संचालित बर्थ वेटिंग रूम के बारे में गर्भवती महिलाओं को जानकारी मौके पर दिलवाई और एएनएम को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान आवश्यक रूप से अवगत कराकर ही गंभीर संवेदनशील गर्भवती माताओं को आवश्यकता के अनुसार उक्त सुविधा का लाभ मिल सकें और प्रसव संस्था में हो।

स्कूल का निरीक्षण

कलेक्टर श्री गुप्ता ने भ्रमण के दौरान ग्राम पैराखेड़ी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता का संवाद कर जायजा लिया कक्षा 6 से आठवीं तक के मात्र 37 बच्चे दर्ज होने पर उन्होंने असंतोष जाहिर करते हुए डीपीसी को निर्देश दिए हैं कि गांव का एक भी बच्चा स्कूल में दाखिला से वंचित न रहे के पुख्ता प्रबंध क्रियान्वित कराये जाएं यहां उन्होंने आठवीं कक्षा के छात्रों को आईटीआई में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं ताकि बच्चे रोजगारमुखी पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होकर स्वरोजगार के क्षेत्र में अथवा निजी कंपनियों में रोजगार सुगमता से प्राप्त कर सके।

आई टी आई

कलेक्टर द्यह्व अंशुल गुप्ता ने भ्रमण के दौरान कुरवाई में नवनिर्मित शासकीय आईटीआई में पहुंचकर दी जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा की जानकारियां प्राप्त की यहां कुल छह ट्रेड संचालित हो रहे हैं जिसमें बच्चों की दर्ज संख्या को बढ़ाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं आईटीआई में दाखिला लेने वाले बच्चों को दी जाने वाली सुविधाएं जिसमें छात्रावास सहित अन्य वैकल्पिक प्रबंध का भी कलेक्टर ने जायजा लिया वहीं बच्चों के अध्ययन व प्रयोग हेतु निर्धारित कक्षो में पहुंचकर संधारित किए गए उपकरणो का अवलोकन किया। इसके अलावा आईटीआई के स्टाफ को रहने के लिए दिए जा रही सुविधा के संबंध में भी उनके द्वारा जानकारी ली गई है।

गौशाला

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने महलुआ चैराहे पर संचालित श्री गोपाल गौशाला का निरीक्षण किया यहां उन्होंने मुनगा का पौधा भी लगाया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने गौशाला के निरीक्षण दौरान शासन द्वारा गौशालाओं को प्रदाय की जाने वाली राशि तथा गायों के चारे की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की है। गौशाला संचालक ने बताया कि गौशाला के पास 15 लाख रुपए का बजट है क्योंकि 300 से अधिक गाय वर्तमान में है बारिश के दौरान संख्या बढ जाती है और शेड कम पड जाता है। उन्होंने गौशाला भूमि में शेड बनाए जाने का प्रस्ताव रखा जिस पर कलेक्टर ने सहमति व्यक्त करते हुए छह लाख खर्च करने मौखिक स्वीकृति प्रदान की है वहीं गौशाला के लिए चारा हेतु शासकीय भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु एसडीएम को निर्देश दिए है।

पंचायत भवन

कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत पैराखेडी में पहुंचकर ग्रामीणो को प्रदाय की जाने वाली सुविधाओं के साथ-साथ पंचायत की भौतिक उपलब्धियों को संधारित करने हेतु की गई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हरेक पंजी में फाइल क्रमांक भी दर्ज किया जाए। यहां कौन-कौन से निर्माण कार्य क्रियान्वित है, ईकेवायसी, नलजल योजना, पीएम आवास और जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संपादित किए गए कार्यो की जानकारी प्राप्त की है।

निरीक्षण भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया, कुरवाई एसडीएम नितिन कुमार जैन, जनपद सीईओ के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय एकीकृत शाला झलोंन में पौधारोपण किया

तेंदूखेड़ा । झलोन मंगलवार को एकीकृत साला झलौन में किए गये पौधारोपण अशोक कदम पाम मोर पंख चंपा जैसै अनिल को प्रजातियां के पौधे लगाए गए इसी अवसर पर मददगारों द्वारा विद्यालय को सीलिंग फैन दान किया चक्रेश जैन सरपंच प्रतिनिधि द्वारा दो सीलिंग फैन हेमराज बैरागी दिनेश जैन निसार खान रोजगार सहायक गुलरु ठाकुर द्वारा एक एक पंखा दान किया गया इस कार्यक्रम में प्रभारी प्रधान अध्यापक चंद्रकांत हजारी गोपाल सिंह रावत हल्के लाल जैन फूल सिंह प्रदीप साहू सत्यनारायण सोनी रेखा सेलजा चक्रेश जैन सरपंच प्रतिनिधि मुकेश जैन मीडिया प्रभारी ने मिलकर पौधारोपण किया

जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद, प्रशासन ने जमीन कराई मुक्त

सिरोंज। मूडरा गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा करने को लेकर दो समुदाय के लोगों के बीच में विवाद हो रहा था। इसकी जानकारी लगने पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने तत्काल कदम उठाते हुए दोनों पक्षों से शासकीय भूमि को मुक्त करवा कर खाली ली साथ ही दोनों पक्षों को ब्रांड भी किया है सरकारी जमीन पर किसी ने भी दावा कि यह जमीन को लेकर विवाद खड़ा किया गया तो ठोस कार्रवाई की जाएगी जमीन सरकारी है इस पर कोई कब्जा नहीं करेगा इसका उपयोग शासन हित में किया जाएगा कई सालों से दोनों पक्ष अपना-अपना कब्ज बात कर लड़ाई कर रहे थे ।इसके बाद प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा दूसरी और एसडीएम ने कहा कि कहीं भी सरकारी जमीन पर ऐसी स्तिथि पाई जाती हैं तो तत्काल इसको मुक्त करवा कर विवाद उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा।

10 दिनों में सार्वजनिक शौचालय की मरम्मत करवाकर, प्रारंभ करवाने दिया आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कस्टम पथ छतरी चौराहे के पास में स्थित सार्वजनिक शौचालय की हालत बहुत ही ज्यादा खराब हो गई है सालों से इसके ताले नहीं खुले हैं इसमें जाने की स्थिति भी नहीं है । जबकि इसका निर्माण आम जनता हित में स्वर्ग लक्ष्मीकांत शर्मा ने लाखों रुपए की लागत से इसको बनवाया गया था प्रशासन के ढीले रवैया के इसकी हालत खराब हो गई है।जिसका उद्देश्य को लेकर बनाया था उसका लाभ लाभ आसपास के व्यापारियों के साथ बाजार में आने वाले ग्रामीणों को मिलेगा पर ऐसा नहीं हो रहा है। नगर पालिका परिषद ने इसका कार्य ठेकेदार को सौंप रखा है उक्त ठेकेदार कई सालों से उसको छोड़कर भाग गया इस वजह से इसका उपयोग सालों से बंद है इसको फिर से प्रारंभ करवाने के लिए समाजसेवी अशोक जैन खर्च ने एसडीएम को जनसुनवाई में आवेदन देते हुए कहा कि इसको साफ-स्वच्छ सुंदर करवा कर प्रारंभ करवाया जिससे कि आसपास के व्यापारियों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली माता बहनों भी इसका उपयोग कर सके अभी इसके बंद होने से सबको परेशानी हो रही है। जबकि यह क्षेत्र के पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के नाम से बनाया गया है।

उसके बाद भी इसकी हालत इतनी खराब है यहां चिंता का विषय है। श्री खर्च में इसको लेकर विधायक पर भी कटाक्ष करते हुए वीडियो जारी किया है साथ ही प्रशासन को 10 दिनों में प्रारंभ नहीं करने पर राष्ट्रपिता गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष धरना देने का अल्टीमेटम भी दिया है। अब इसकी सूरत बदलेंगी या नहीं यह तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा।

मूडरा घाट के ग्रामीणों ने कच्चे रास्ते से मुक्ति दिलाने जनसुनवाई में एसडीएम को दिया ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सादिक कुरैशी एवं सलीम गौरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने ज्ञापन देते हुए कहा कि सरकार के द्वारा हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ने के करोड़ों की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। उसके बाद भी ऐसी तस्वीर देखने को मिल रही है। जिनको देखकर सन 1947 की याद भी आ रही है आखिर ऐसे हालात विकासखंड में क्यों निर्मित हए हैं सिस्टम की लापरवाही की सजा ग्रामीणों को भुगतनी पड़ रही है कई सालों से जब सुनवाई नहीं हुई तो ग्रामीणों को आखिर अपनी परेशानी बताने के लिए इन लोगों को जनसुनवाई में आकर अपनी पीड़ा एसडीएम को सुनाई जिसको सुनकर देख कर हैरत पड़ गए ।

आज भी विकासखंड में कई ऐसे गांव है जो कि पक्की सड़कों से नहीं जुड़े हैं। इसी तरह का एक मामला मंगलवार को एसडीएम कार्यालय में सामूहिक जनसुनवाई में देखने को मिला मुडरा घाट के ग्रामीण जनो ने एसडीएम हर्षल चौधरी को ज्ञापन देते हुए कई गांव से पुल तक 1 किलोमीटर के करीब का रास्ता कच्चा होने से हम लोगों तथा स्कूल आने जाने वाले बच्चों को भी इस कीचड़ में से ही शराबोर होकर आना जाना पड़ता है ग्रामीणों ने कीचड़ वाले रास्ते के फोटो भी एसडीएम को दिखाए इसके बाद एसडीएम ने कहा कि यह तो 1947

जैसा नजर आ रहा है। इसके बाद एसडीएम ने गंभीरता लेते हुए तत्काल प्रभारी जनपद सीईओ को गांव में वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश देते हुए कहा कि कीचड़ से छुटकारा दिलाने के लिए कोपरा मुरम आदि डालकर इस समस्या का समाधान तत्काल किया जाए बरसात के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी से चर्चा करके मार्ग को पक्का बनवाने की बात कही दूसरी ओर ग्राम पंचायत को भी शासन से खराब रास्तों को मरम्मत के लिए राशि उपलब्ध कराई जाती है ज्यादातर पंचायते के द्वारा उत्त राशि को जन सरोकार के लिए खर्च ना करते हुए अपने फायदे के लिए कागज़ों में खर्च करके गोलमाल कर दी जाती है इसके कारण ही ऐसी तस्वीर सामने आती है।

ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को तत्काल मार्ग को ठीक करवाने के निर्देश जनपद सीईओ ने दिए हैं । अब देखना है कि ग्राम पंचायत कीचड़ से छुटकारा दिलाने के लिए कदम उठाएगी या नहीं। इस दौरान मेहरबान सिंह, जगदीश, श्री राम लोधी, सोम सिंह, राजेश, हरनाम सिंह, संजय, सीताराम, बृजेश, बने सिंह, सोनू, टीकाराम, माधो सिंह, नाथू सिंह, बबलू, झुन्नीलाल आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

इसी तरह सीएम राइज स्कूल में अध्ययन के लिए बांसखेड़ी आसपाल के छात्रों ने आवेदन देते हुए कहा कि हमारे गांव तक स्कूल की बस नहीं जाती इस वजह से हम स्कूल नहीं आ पाते हैं बहुत परेशानी होती है हमारी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है । इसके बाद एसडीम ने छात्रों के हित में तत्काल सीएम राइज की बस को बांसखेड़ी आसपाल तक बढ़ाने के लिए बस संचालित करने वाले ठेकेदार को निर्देशित किया इसके बाद छात्रों के चेहरे खिलो उठें इसके अलावा सीमांकन बंटवारे खाद्यान्न पर्ची बिजली के बिल अधिक आदि के संबंध में भी आवेदन आए दूसरी ओर सबसे अधिक आवेदन बिजली बिल के ज्यादा आने के आएं हैं।

इनका कहना है

ग्रामीणों की समस्या को दूर करने के लिए तत्काल जनपद सीईओ को निर्देश दिए हैं उक्त कीचड वाले रास्ते पर कोपरा मुरम डलवाए जिससे कि ग्रामीणों को आने-जाने में असुविधा न हो।

– हर्षल चौधरी एसडीएम

काउंटी क्रिकेट में इतिहास में टूटा 126 साल पुराना अद्भुत रिकॉर्ड

गजब! 4 के शतक, एक का तिहरा शतक, टीम ने ठोक डाले 820 रन

लंदन, एजेंसी

काउंटी चैंपियनशिप के 42वें मैच में सरे ने डरहम के खिलाफ एक ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 820 रन बनाकर घोषित की। यह स्कोर सरे के 126 साल पुराने क्लब रिकॉर्ड को तोड़ते हुए उनकी काउंटी क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी बन गई। यह काउंटी चैंपियनशिप मुकाबला लंदन के ओवल में खेला गया। डोम सिबली ने 305 रनों के साथ सर्वाधिक स्कोर बनाया, जिसमें उनके साथ इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सैम करन 108, डैन लॉरेंस 178 और विल जैक्स 119 ने भी शतक जड़े।

इस प्रदर्शन ने सरे के पिछले रिकॉर्ड 811 रनों को पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने 1899 में इसी मैदान पर समरसेट के खिलाफ बनाया था। हालांकि, यह प्रभावशाली टोटल है, लेकिन काउंटी क्रिकेट के इतिहास में यॉर्कशायर का वारविकशायर के खिलाफ 1896 में बनाया गया 887 रनों का स्कोर अभी भी सबसे बड़ा है, जिससे सरे का नया रिकॉर्ड चौथा सबसे बड़ा स्कोर बन गया है।

सरे के बल्लेबाजों का प्रदर्शन- डोम सिबली इस पारी के नायक रहे, जिन्होंने 305 रन 475 गेंद, 29 चौके, 2 छक्के की शानदार तिहरी शतकीय पारी खेली। उन्होंने पिच पर काफी समय बिताया और बड़े धैर्य के साथ रन बटोरे। इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डैन लॉरेंस ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 178 रन बनाए। विल जैक्स ने 119 रन की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें उनके बल्ले से आकर्षक शॉट निकले। एक और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, सैम करन ने भी 108 रन बनाकर शतक पूरा किया, जिससे टीम को और मजबूती मिली, जबकि कप्तान रॉरी बर्न्स ने भी शुरूआती विकेट के रूप में 55 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सरे की पारी के दौरान विकेटों का पतन

पहला विकेट रॉरी बर्न्स 95 रन पर।
दूसरा विकेट रयान पटेल 108 रन पर।
तीसरा विकेट सैम कुरेन 278 रन पर।
चौथा विकेट डैन लॉरेंस 612 रन पर।
पांचवां विकेट डी सिबली 745 रन पर।
छठा विकेट जॉर्डन क्लार्क 785 रन पर।
सातवां विकेट जॉश ब्लेक 800 रन पर।
आठवां विकेट टॉम लॉज 803 रन पर।
नौवां विकेट विल जैक्स 820 रन पर।

इंग्लैंड अंडर-19 ने भारत को एक विकेट से हराया: सीरीज 1-1 से बराबरी पर

लंदन। इंग्लैंड ने दूसरे यूथ वनडे में भारत की अंडर-19 टीम को एक विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। भारत ने पहला मुकाबला जीता था। सोमवार को नॉर्थम्पटन में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने 49 ओवर में 10 विकेट पर 290 रन बनाए। विहान मलहोत्रा ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 49.3 ओवर में 9 विकेट खोकर 291 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया।

कप्तान आयुष म्हात्रे बिना खाते खोले ही पवेलियन लौटे भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे पहली गेंद पर ही आउट हो गए। एलेक्स फ्रेंच ने उन्हें बोल्ड किया। खराब शुरूआत के बावजूद वैभव सूर्यवंशी और विहान मल्होत्रा ने पारी को संभाला। भारत का दूसरा विकेट 69 रन पर गिरा। सूर्यवंशी 35 गेंदों में 45 रन बना कर आउट हो गए। वहीं 119 के स्कोर पर विहान भी आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों का सामना कर 49 रन बनाए। इसके बाद मौल्यराजसिन्ह चावड़ा और अभिज्ञान कुंडु ने पारी को संभालने की कोशिश की। चावड़ा को एलेक्स ग्रीन ने बोल्ड किया। वह 43 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए। जबकि कुंडु 41 गेंदो में चार चौके की मदद से 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राहुल कुमार और कनिष्क चौहान ने भी भारत का स्कोर 290 तक पहुंचाने में मदद की। राहुल ने 47 गेंदों पर 47 रन और कनिष्क चौहान ने 40 गेंदों पर 45 रन बनाए।

तेंदुलकर एंडरसन ट्रॉफी: बर्मिंघम टेस्ट में 3 बदलाव कर सकता है भारत

शार्दूल और जडेजा की जगह ले सकते हैं नीतीश-सुंदर, कुलदीप की वापसी संभव

बर्मिंघम , एजेंसी

भारतीय टीम बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 3 बदलाव के साथ उतर सकती है। एजबेस्टन मैदान पर 2 जुलाई से शुरू होने जा रहे सीरीज के दूसरे मैच में टॉप ऑर्डर बल्लेबाज साई सुदर्शन, ऑलराउंडर शॉर्दूल ठाकुर और रवींद्र जडेजा को बेंच पर बैठाया जा सकता है। इनकी जगह बैटिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जा सकता है। कुलदीप यादव की वापसी भी हो सकती है। भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने सोमवार को कहा था- %एजबेस्टन में भारतीय टीम 2 स्पिनर्स को मैदान पर उतारेगी। बुमराह चयन के लिए अवेलेबल हैं, लेकिन उनके खेलने न खेलने पर फैसला अगले 24 घंटों में लिया जाएगा।% फिलहाल, शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ गई है। टीम को पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए इंडिया को दूसरा टेस्ट जीतना होगा।

बर्मिंघम टेस्ट के लिए भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11- बैटिंग में एक बदलाव संभव, साई किशोर ड्रॉप हो सकते हैं लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम 5 शतक के बावजूद हार गई थी। ऐसे में बैटिंग डिपार्टमेंट में एक बदलाव संभव है। साई सुदर्शन को बाहर बैठाया जा सकता है। उनकी जगह करुण नायर को नंबर-3 पर आजमाया जा सकता है। दोनों पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में साई ने 30 और करुण नायर ने 20 रन स्कोर किए थे।

इन दोनों के अलावा सभी बैटर्स ने रन बनाए। इसलिए शेष बल्लेबाजी में बदलाव की गुंजाइश नहीं है। ओपनर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल ने एक-एक शतक लगाए। ऋषभ पंत ने तो दोनों पारियों में शतक बनाया।

ऑलराउंडर्स में 2 बदलाव संभव - भारतीय टीम के ऑलराउंड डिपार्टमेंट में दो बदलाव हो सकते हैं। शार्दूल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा सकता है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खिलाया जा सकता है। पिछले मैच में भारतीय ऑलराउंडर्स अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे थे। इसी कारण टीम इंडिया को दोनों पारियों में कोलैप्स का सामना करना पड़ा। पहली पारी में भारतीय टीम ने आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुदलीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड के प्लेइंग 11 की घोषणा की, आर्चर टीम में नहीं

बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरूआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर। दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है।

क्लब विश्व कप: मैनचेस्टर सिटी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अल हिलाल

ऑरलैंडो (अमेरिका)। मार्कोस लियोनार्डो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अल हिलाल को मैनचेस्टर सिटी पर 4-3 से जीत दिलाई। इसी के साथ टीम ने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बर्नार्डो सिल्वा ने नौवें मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार कोशिशें कीं, लेकिन कोई और गोल इस हाफ में नहीं आया।

दूसरे हाफ में मार्कोस लियोनार्डो 46 और मैल्कम 52 ने गोल दागकर अल-हिलाल को 2-1 से आगे कर दिया, लेकिन तीन मिनट बाद ही एरलिंग हैलैंड 55 ने गोल दागकर जल्दी ही मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर ला दिया।

अल-हिलाल ने अतिरिक्त समय में कलिडौ कौलीबाली 94 की मदद से फिर से बढ़त हासिल की, लेकिन फिल फोडेन के 100वें सिटी गोल ने सिटी को बराबरी पर ला दिया। लियोनार्डो अल-हिलाल के लिए मैच विजेता साबित हुए। लियोनार्डो ने 112वें मिनट में गोल दागकर अल-हिलाल को 4-3 से आगे कर दिया।

मैच के बाद कलिडौ कौलीबाली ने कहा, हम जानते थे कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ एक कठिन खेल था। हम अपने विचारों, अपनी प्रतिभा, अपनी ताकत को दिखाना चाहते थे। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा खेल खेला। रक्षात्मक रूप से हम बहुत मजबूत थे। आक्रामक रूप से हमने सभी मौकों का फायदा उठाया, इसलिए हम खुश हो सकते हैं।

अल हिलाल अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्लुमिनेंस एफसी से भिड़ेगा। यह मुकाबला ऑरलैंडो के कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्लुमिनेंस एफसी की टीम इंटर के खिलाफ 2-0 से मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

गोलियां बरसाकर मचाया कोहराम, मालिक बनने निकले राजकुमार, ट्रेलर रिलीज

अगर आप भी अपने चुलबुल राजकुमार राव को एक धुआंधार और मासी अंदाज में देखने के लिए बेताब थे... तो बता दें, आपका इंतजार अब खत्म हो चुका है। राजकुमार राव की मालिक फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें वो दमदार डायलॉगबाजी करते दिख रहे हैं। और यकीन मानिए लग भी एकदम धांसू रहे हैं। स्त्री 2 और भूल चुक माफ से हाल ही में दर्शकों को खूब हंसाने और डराने वाले राजकुमार अब एक बिलकुल अलग अवतार में नजर आने वाले हैं। इस बार वो एक ऐसे किरदार में हैं जो उनके अब तक के रोल्स से काफी हटकर और दमदार दिख रहा है। मजबूर बाप का बेटा होना किस्मत थी हमारी, अब आपको मजबूत बेटा का बाप बनने पड़ेगा, ये किस्मत है आपकी। फिल्म मालिक का ट्रेलर राजकुमार के इसी तगड़े डायलॉग के साथ शुरू होता है, जो शुरुआत से ही दर्शकों को बांध लेता है। करीब 2 मिनट 45 सेकंड लंबे इस ट्रेलर में राजकुमार अपने किरदार में पूरी तरह से ढले हुए नजर आते हैं। फिल्म में उनकी पर्सनैलिटी, स्टाइल और डायलॉग डिलीवरी, सब कुछ बेहद ताबड़तोड़ लग रहा है। ट्रेलर देखकर साफ पता लगता है कि फिल्म राजनीति, दबंगई, गुंडई और गोलीबारी से भरपूर होगी। प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म देसी तमंचे का भी जोर है।

जब आमिर खान को शाहरुख ने कहा था छिछोरा, क्यों हुई थी दोनों खान के बीच जुबानी जंग?

बॉलीवुड इंडस्ट्री में दोस्ती बहुत मुश्किल से होती है, और हो जाए तो उसे निभाना भी आसान नहीं होता। आमिर खान और शाहरुख खान की दोस्ती इसी की मिसाल है। आज भले ही दोनों मिलते-जुलते हैं, साथ पार्टी करते हैं। लेकिन एक दौर था जब पब्लिकली दोनों ने एक दूसरे को छिछोरा तक कह दिया था। हालांकि अब इन बातों को वो भुला भी चुके हैं।

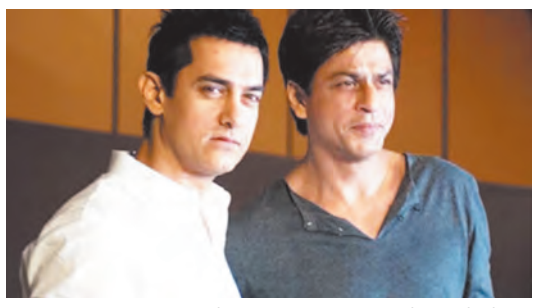

बातचीत में जब इसका जिक्र हुआ तो आमिर भी सोच में पड़ गए कि ये उन्होंने कब कहा था। जब उन्हें पूरा स्टेटमेंट बताया गया तो वो बोले कि ये सब पुरानी बातें हो चुकी हैं। हमारे बीच नैचुरल कॉम्पीटीशन रहा है, लेकिन वो भी वक्त के साथ चली गई। आमिर से शाहरुख से हुई गहरी दोस्ती पर बात की गई तो कई बातें निकलकर आईं। उन्हें जब याद दिलाया गया कि वो एक दूसरे को छिछोरा कह चुके हैं तो आमिर चौंक गए और कहा कि ये कब हुआ? किसने कहा छिछोरा? जब आमिर को बताया गया कि ये 3 इडियट्स और माय नेम इज खान की रिलीज के बीच की बात है। तब भी उन्हें याद नहीं आया फिर उन्हें पूरा स्टेटमेंट बताया गया।

दरअसल, आमिर की पीआर स्ट्रैटेजी को देखते हुए शाहरुख से पूछा गया था कि वो जिस तरह से अपनी फिल्म को प्रमोट कर रहे हैं आप क्या कहेंगे? तो शाहरुख ने कहा था कि मैं माफी चाहूंगा ये शब्द इस्तेमाल करने के लिए, लेकिन मुझे ये छिछोरापन लगता है। मैं कभी अपनी फिल्म को प्रमोट करने के लिए इस हद तक नहीं जाऊंगा।

आमिर को लेकर यह बोले थे शाहरुखा खान

खुद का दिया ये पुराना बयान सुनकर आमिर शर्मिंदा हो गए। जवाब में वो हंसते हुए बोले कि खैर छोड़िये इन सब बातों को अब, अच्छा दोस्त है मेरा शाहरुख। शायद वो नाखुश थे मुझसे, पता नहीं क्यों? मैं दरअसल अपने इंटरव्यू में और लोगों की बातें नहीं करता हूं, मैं अपनी ही बातें करता हूं। अच्छा दोस्त है मेरा शाहरुख खान। जब हमारे करियर शुरू हुए थे तो हमारे बीच एक नैचुरल कॉम्पीटीशन था। लेकिन फिर 10-15 साल पहले ये गायब हो गया। मालूम हो कि, शुरुआती दौर में एक बार शाहरुख ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि आमिर खान को मैं अपना कॉम्पीटीशन नहीं कहूंगा। वो मुझसे कहीं बेहतर एक्टर है। अगर आज हमारे देश में कोई शानदार एक्टर है तो वो आमिर है। मैंने सुना है कि वो 30 की उम्र के बाद रिटायर होकर डायरेक्टर बनना चाहते हैं।

मेट्रो बाजार

सकल जीएसटी संग्रह जून में 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह जून में 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। एक साल पहले इसी महीने में यह 1,73,813 करोड़ रुपये था। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पिछले महीने 2.01 लाख करोड़ रुपये रहा। इस वर्ष अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

घरेलू लेनदेन से सकल राजस्व जून में 4.6 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.38 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात से जीएसटी राजस्व 11.4 प्रतिशत बढ़कर 45,690 करोड़ रुपये रहा। सकल केंद्रीय जीएसटी राजस्व जून में 34,558 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी राजस्व 43,268 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी राजस्व करीब 93,280 लाख करोड़ रुपये रहा। उपकर से राजस्व 13,491 करोड़ रुपये रहा। इस बीच, जून में कुल 'रिफंड' 28.4 प्रतिशत बढ़कर 25,491 करोड़ रुपये हो गया।

सोने में सात दिन से जारी गिरावट थमी, 1200 चढ़कर 98,670 रु. प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने में पिछले सात कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया और पीली धातु का भाव 1,200 रुपये की तेजी के साथ 98,670 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव सोमवार को 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। सोने के भाव में लगातार सातवें सत्र की गिरावट के बाद तेजी दर्ज की गई और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपये चढ़कर 98,150 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अबन्स फाइनेंशियल सिर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मेहता ने कहा, ''अमेरिकी राजकोषीय घाटे में वृद्धि की चिंताओं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित कर-कटौती और व्यय विधेयक पर बाजार के ध्यान के कारण अमेरिकी डॉलर में गिरावट ने सोने को और अधिक आकर्षक बना दिया है। इसके अलावा, मंगलवार को चांदी की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 1,04,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सोमवार को चांदी की कीमत 1,02,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक मोर्चे पर, हाजिर सोना 44.01 डॉलर या 1.33 प्रतिशत बढ़कर 3,346.92 डॉलर प्रति औंस हो गया।

पेड़ पर किसान ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव मुडियाखेड़ा में मंगलवार सुबह एक किसान ने पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ?था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार शिव नारायण मीणा पिता लालाराम मीणा (47) जैतपुरा, गुनगा में रहता था। शिवनारायण का परिवार खेती किसानी करता है। शिव नारायण और उसके भाइयों का मुडियाखेड़ा में खेत है। परिजन ने बताया कि शिव नारायण का मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने के कारण वह अपनी मर्जी का मालिक था। वह किसी की कुछ नहीं सुनता?था। मंगलवार सुबह वह घर से निकला और मुडियाखेड़ा खेत पहुंचा। वहां उसने पेड़ पर फांसी लगा ली। खेत से कुछ दूरी पर गृह निर्माण में लगे मजदूरों ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देख गांव में सूचना दी थी। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी पहुंच गई। पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया था। तलाशी लेने पर उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जाता है कि शिव नारायण के दो जवान बेटे हैं। वह सूखीवनिया में मामा के साथ उनका व्यवसाय संभालते हैं।

सिग्नल पर खड़ी कार को मारी टक्कर

भोपाल। मिसरोद इलाके में सिग्नल पर खड़ी एक कार को दूसरी कार ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार दिनेश कुमार (45) मिसरोद में रहते हैं और प्रायवेट ड्रायवरी करते हैं। मंगलवार की रात करीब साढ़े सात बजे वह अपने मालिक को फार्च्यूनर गाड़ी में लेकर भोपाल की तरफ जा रहे थे। मिसरोद स्थित शनि मंदिर के पास सिग्नल पर वह अपनी कार रोककर खड़े हुए थे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे पिछला बंफर क्षतिग्रस्त हो गया।

साहसी बनें, और रास्तों पर आगे बढ़ने और असफलता से न डरें: प्रो. हिमांशु राय

भोपाल। आईआईएम इंदौर ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अपने नए बैचों का शुभारंभ कर दिया है। इस वर्ष कुल 650 प्रतिभागियों ने प्रवेश लिया है, जो पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट - चतुर्थ वर्ष, और डॉक्टोरल प्रोग्राम इन मैनेजमेंट में शामिल हुए हैं। नए बैच का उद्घाटन आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में महू आर्मी वॉर कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही उपस्थित रहे। प्रो. हिमांशु राय ने नवप्रवेशित प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे अपनी शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत स्पष्ट उद्देश्य, दृष्टिकोण और सहानुभूति के साथ करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे यह समझें कि वे यहां क्यों आए हैं, और अपने जीवन का एक स्पष्ट व्यक्तिगत विजन निर्धारित करें। उन्होंने विचारों के प्रति खुलेपन पर बल देते हुए नए बैच से अनुरोध किया कि वे विविध दृष्टिकोणों को सुनें, समझें और नई सोच को अपनाएं। आत्मचिंतन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रो. राय ने छात्रों को सलाह दी कि सफलता को अपने स्वयं के मापदंडों पर परिभाषित करें, न कि बाहरी अपेक्षाओं पर। साहसी बनें, और रास्तों पर आगे बढ़ने और असफलता से न डरें। आईआईएम इंदौर के फ्लैगशिप पीजीपी कार्यक्रम में पहली बार पुरुषों से अधिक महिला प्रतिभागी उन्होंने कहा, आप केवल एक डिग्री प्राप्त करने के लिए नहीं अपितु स्वयं को खोजने और समाज में बदलाव लाने के लिए आईआईएम इंदौर आए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सहानुभूति की भावना को अपनाने और एक सहायक तथा समावेशी शैक्षणिक समुदाय का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया।

तिलक एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से नव प्रवेशितों का हुआ अभिनंदन

आईईएचई में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए हुआ दीक्षारम्भ कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी स्थित उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) में मंगलवार को नवीन सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत भारतीय परंपरा अनुसार तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से किया गया। संस्थान के नवीन विद्यार्थियों को संस्थान की उपलब्धियों, परंपराओं एवं सुविधाओं से परिचित कराने के उद्देश्य हुए।

स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ समस्त संकायों के प्राध्यापक भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने सरस्वती वंदना के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात संस्थान के शिक्षकों ने सिविल सर्विसेज में संस्थान से चयनित विद्यार्थियों, विक्रम अवार्ड से सम्मानित विद्यार्थियों, राष्ट्रपति से सम्मानित इकाई जैसी उल्लेखनीय संस्थागत उपलब्धियों से सभी को अवगत करवाया। उन्होंने एकाग्रचित्त होकर संस्थान में अध्ययन करते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों से आह्वान किया और इस प्रक्रिया में संस्थान के हर सहयोग का आश्वासन भी दिया।

बाइक से टकराकर सड़क पर गिरा स्कूटर सवार, ट्रक ने कुचला

भोपाल। मिसरोद स्थित ग्यारह मील के पास बाइक से टकराकर सर्विस रोड पर गिरे स्कूटर सवार को आयशर ट्रक ने कुचल दिया, जिससे स्कूटर सवार की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले आयशर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार भैरोपुर मिसरोद में रहने वाले राघवेंद्र हाउस कीपिंग का काम करते हैं। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे वह ग्यारह मील सर्विस रोड से मिलन रेस्टारेंट की तरफ जा रहे थे। ग्यारह मील के पास हादसा इसी दौरान उन्होंने देखा कि स्कूटर और बाइक सवार आमने-सामने से आपस में टकरा गए, जिससे स्कूटर पर सवार युवक सर्विस रोड पर गिर पड़ा। इसी दौरान मिलन रेस्टारेंट के तरफ से सर्विस रोड पर आ रहे आयशर ट्रक ने सड़क पर गिरे स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के दाहिने हाथ पर कमलेश और ओम गुदा हुआ था। बाद में मृतक की पहचान कमलेश विश्वकर्मा पुत्र ईश्वर प्रसाद विश्वकर्मा (40) निवासी ग्राम हिनौतिया आलम कोला रोड के रूप में हुई। पुलिस ने कमलेश को कुचलने वाले आयशर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

दुश्मन नए तरीके खोज रहा, हमारा आपका अलर्ट रहना ही सबसे बड़ी सुरक्षा

बम और विस्फोटकों की जांच से जुड़े एंटी सबोटेज चेक कोर्स प्रशिक्षण का शुभारंभ

विभिन्न राज्यों के 48 डीएसपी हुए शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डीजीपी केलाश मकवाणा द्वारा विशेष शाखा प्रशिक्षण केन्द्र, में एंटी सबोटेज चेक कोर्स का शुभारंभ किया गया। इस तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों के 48 उप पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा बलों को आपातकालीन गतिविधियों की समय रहते पहचान, बम एवं विस्फोटकों की जांच तथा तत्काल कार्रवाई की तकनीकों में दक्ष बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ आधुनिक उपकरणों के उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की पहचान एवं स्थल सुरक्षा जांच प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डीजीपी मकवाणा ने कहा कि यह कोर्स विशिष्ट रूप से एंटी-सबोटाज चेकिंग के लिए डिजाइन किया गया है। आपको प्रशिक्षित करने का उद्देश्य है कि आप फील्ड में सक्रिय रूप से संभावित खतरों को पहचानें, उन्हें निष्क्रिय करें, और वीवीआईपी सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाएं। आज देश की आंतरिक सुरक्षा को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दुश्मन हमेशा नए तरीके खोज रहा है। इसलिए आपका अलर्ट रहना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। डीजीपी ने कहा कि आपका मुख्य कार्य संभावित (बम) या एक्सप्लोसिव थ्रेट की पहचान करना, उन्हें डिटेक्ट करना, निष्क्रिय कराना और यह सुनिश्चित करना कि कोई भी खतरा कार्यक्रम या व्यक्ति विशेष तक न पहुँचे। इस प्रशिक्षण में स्निफर डॉग्स, मेटल डिटेक्टर, बम डिफ्यूजिंग किट आदि के इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी। मेरी अपील है कि इसे केवल एक ड्यूटी न समझें, बल्कि एक गंभीर जिम्मेदारी समझें। उन्होंने यह भी कहा कि हमें भी फील्ड में हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस पर जोर देना होगा। सिर्फ क्लासरूम में लेक्चर से काम नहीं चलेगा। इसके लिए जरूरी है, जिन अधिकारियों ने पहले यह कोर्स किया है, उनके साथ इंटरेक्शन हो। सबसे अहम, हर वीवीआईपी ड्यूटी को गंभीरता से लिया जाए। क्योंकि खतरा केवल वीवीआईपी को नहीं, बल्कि पुलिस स्टाफ, आम नागरिक और आपको खुद को भी होता है। आपकी डिटेक्शन क्षमता, सक्रिय भागीदारी और सजगता ही सुरक्षा की सबसे पहली और सबसे मजबूत दीवार है। पूर्ण सतर्कता और समर्पण अपेक्षित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए.साईं मनोहर ने कहा कि वीवीआईपी ड्यूटी के दौरान आपको अनेक प्रकार की जिम्मेदारियां निभानी होती हैं-जैसे हेलीपैड, एयरपोर्ट, रूट इंतजाम, कार्यक्रम स्थल, कैंप व्यवस्था, और सेफ हाउस आदि। वीआईपी के भ्रमण की संभावना वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखनी होती है।

ड्रायवर को नशीला पदार्थ पिलाकर कार व मोबाइल ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया

हबीबगंज थानांतर्गत रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने खड़े एक कार ड्रायवर को बदमाशों ने नशीला पदार्थ पिलाया और कार तथा उसका मोबाइल फोन लेकर गायब हो गए। पीड़ित युवक ने अयोध्या नगर थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद शून्य पर केस दर्ज कर डायरी हबीबगंज भेजी गई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अरविंद जाट (25) अयोध्या नगर का रहने वाला है। वह अपनी औरा कार टैक्सी में चलाता है। बीती 28 जून की शाम करीब चार बजे अरविंद सवारी के इंतजार में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने खड़ा था। इसी दौरान दो युवक उसके पास पहुंचे और बिड़ला मंदिर जाने के लिए कार बुक करवाई। अरविंद दोनों को लेकर बिड़ला मंदिर के सामने पहुंचा तो युवक उसे आगे मालवीय नगर तक ले गए। यहां एक होटल से दोनों युवकों ने कोल्ड ड्रिक और अन्य सामान खरीदा। कार में बैठकर दोनों ने कोल्ड ड्रिक पीया और अरविंद को भी पिलाया। कोल्ड ड्रिक पीने के बाद अरिवंद बेहोश हो गया तो दोनों युवक ने उसे कार से नीचे उतार दिया और कार तथा उसका मोबाइल फोन लेकर गायब हो गए। होश में आने के बाद अरिवंद घर पहुंचा और स्थानीय अयोध्या नगर थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी।

मेट्रो एंकर होशंगाबाद रोड पर रात की घटना

बस की टक्कर से टूटा खंभा कार पर गिरा, महिला घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद इलाके में एक तेज रफ्तार बस सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा गई, जिससे खंभा टूटकर पास ही खड़ी कार पर जा गिरा। इस हादसे में बस में सवार एक महिला भी सड़क पर गिरकर घायल हो गई, जिसे अस्पताल के लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार मिसरोद में रहने वाले पुष्पराज सिंह (38) मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे कोरल वुड कालोनी के पास खड़े होकर अपने दोस्त के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान होशंगाबाद की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार यात्री बस ने सड़क किनारे लगे खंभे में टक्कर मार दी, जिससे खंभा टूटकर पुष्पराज की कार पर जा गिरा। इसके साथ ही बस ने भी उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने पास जाकर देखा तो बस से एक महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गई थी, जिससे बाद उन्होंने लोगों की मदद से महिला को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। बाद में उन्होंने थाने जाकर बस चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

भोपाल। कोलार इलाके में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक धर्मेंद्र गौर रातीबड़ में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका साला सोनू गैर सर्वधर्म कालोर रोड पर रहता है और बिजली कंपनी में काम करता है। मंगलवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे सोनू अपनी बाइक लेकर उनसे मिलने के लिए रातीबड़ जाने के लिए घर से निकला था। कोलार रोड स्थित अमरनाथ कालोनी के गेट के आगे सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने सोनू की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल सोनू को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, उसके बाद धर्मेंद्र ने रात को थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईंट वाली गाड़ी की टक्कर से हुई थी युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परवलिया इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने ईंट वाली गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना के कई दिन बाद एक प्रत्यक्षदर्शी ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार परवलिया निवासी दिनेश विश्वकर्मा अचारपुरा स्थित एक कंपनी में काम करता है। बीती तेईस जून की दोपहर करीब तीन बजे वह काम से अपने घर लौट रहा था। मुबारकपुरा चौराहा पहुंचने पर देखा कि सड़क किनारे खड़ी एक ईंट वाली गाड़ी के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाई और मुबारकपुर की तरफ से आ रही पल्सर बाइक को साईड से टक्कर मार दी, जिससे पल्सर पर सवार युवक घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से दिनेश ने घायल युवक को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया था। उसके रिश्तेदारों के आने के बाद पता चला कि घायल का नाम शिवम कुशवाह निवासी अहमदपुर जिला सीहोर है। पिछले दिनों दिनेश को जानकारी मिली कि शिवम की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद उसने थाने जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन चालक की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

युवक को कुचलने वाले वाहन का नहीं चला पता

भोपाल। गुनगा इलाके में पैदल युवक को कुचलने वाले वाहन का फिलहाल कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पंकज खरे (21) कल्याण नगर छोला मंदिर में रहता था और प्रायवेट काम करता था। बीते रविवार को वह अपनी मां-बहन और अन्य परिजनों के साथ विदिसा में रहने वाले बहनोई जितेंद्र के घर गया था। रात को सभी लोग आटो से घर लौट रहे थे, जबकि पंकज अपने बहनोई के साथ बाइक से लौट रहा था। वापस लौटते समय पंकज नशे की हालत में था, इसलिए बहनोई ने उसे गुनगा स्थित हिनौती सड़क के पास उतार दिया था। मां ने जब उसे फोन लगाया तो पंकज ने बोला कि वह बस से घर आ जाएगा। बाद में उसका मोबाइल बंद हो गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022